CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 208 ता. 12 फरवरी 2022, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त खबरें

पैसा खाने वाले विधायकों और मंत्रियों को छोड़ेंगे नहीं: केजरीवाल

शिरोदा। गोवा में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। इसी बीच आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शिरोदा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 1960 से लेकर आज तक जितनी भी सरकारें आई उन्होंने गोवा को लूटा है। गोवा की पहली भ्रष्टाचार मुक्त सरकार बनाएंगे... अगर कोई विधायक, मंत्री पैसे खाएगा तो उसे छोड़ेंगे नहीं, उससे जेल में चक्की पिसवाएंगे। केजरीवाल ने कहा कि पिछले 5 साल में भाजपा ने कचरा, ऑक्सीजन, लेवर, वेंटिलेटर, पॉवर और जॉब स्कैम किया। उन्होंने स्कैम के अलावा कुछ और नहीं किया है। इससे पहले कांग्रेस वाले स्कैम करते थे और अब भाजपा वाले करते हैं। इसको बदलना है या नहीं ? दिल्ली में भी पहले ऐसे ही होता था। पहले दिल्ली में शीला दीक्षित जी की सरकार थी, उस वक्त पूरे देश में लोग जानते थे कि दिल्ली स्कैम की कैपिटल है। उस वक्त कॉमनवेल्थ स्कैम, सीएनजी स्कैम इत्यादि हुए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद वहां की छवि बदल गई। दिल्ली में अच्छी-अच्छी सड़कें, स्कूल, हॉस्पिटल इत्यादि बन रही हैं। 24 घंटे बिजली आती है। अब गोवा को भी बदलना है और यहां पर भी एक ईमानदार सरकार लेकर आनी है। केजरीवाल ने कहा कि 27 साल कांग्रेस ने और 15-15 साल भाजपा और एमजीपी ने सरकार चलाई। ऐसे में गोवा की आज जो हालात है वो इस तमाम पार्टियों ने मिलकर की है। कहते हैं कि गोवा के ऊपर 24,000 करोड़ रुपए का कर्जा है, यह बहुत ज्यादा होता है।

हिजाब: हाई कोर्ट की नसीहत

आंदोलन से अच्छा होगा कि क्लास में जाएं

नई दिल्ली। राज्य में जारी हिजाब विवाद पर कर्नाटक हाई कोर्ट ने बड़ी नसीहत दी है। कर्नाटक उच्च न्यायालय की एक पूर्ण पीठ ने अपने सात-पृष्ठ के अंतरिम आदेश में कहा कि यदि वे कक्षाओं में हिजाब और भगवा शॉल पहनने जैसे मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन करने के बजाय कक्षाओं में लौटते हैं छात्रों के हितों की बेहतर सेवा होगी। हिजाब विवाद के चलते राज्य में कॉलेजों को बंद कर दिया गया है। बता दें कि राज्य के कुछ कॉलेजों में कक्षाओं में मुस्लिम लड़कियों के हिजाब पहनने पर प्रतिबंध लगाने के मुद्दे पर अंतरिम राहत के लिए सुनवाई के अंत में गुरुवार को शुरू में मौखिक आदेश जारी करने के बाद उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को अपने आदेश की पूरी प्रति जारी कर दी। हिजाब पर रोक के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रहे कर्नाटक हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से शिक्षण संस्थानों को पुनः खोलने का अनुरोध किया है, साथ ही विद्यार्थियों को भी कक्षा के भीतर भगवा शॉल, गमछा, हिजाब या किसी तरह का धार्मिक झांडा नहीं ले जाने को कहा है। कोर्ट ने कहा, ह्लछात्रों के हितों की पूर्ति उनके कक्षाओं में लौटने से बेहतर होगी, न कि आंदोलन जारी रखने और संस्थानों को बंद करने से। शैक्षणिक वर्ष जल्द ही समाप्त हो रहा है।ह्र उच्च न्यायालय की पूर्ण पीठ में मुख्य न्यायाधीश रितु राज अवस्थी, न्यायमूर्ति कृष्णा एस दीक्षित और न्यायमूर्ति जेएम खाजी शामिल थे। अदालत ने राज्य में कॉलेजों को फिर से खोलने का निर्देश देते हुए कहा, ह्लशैक्षणिक शर्तों को बढ़ाना छात्रों के शैक्षिक करियर के लिए हानिकारक होगा, खासकर जब उच्च अध्ययन/पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए समय सीमा अनिवार्य है। आदेश में कहा गया है, ह्लउपरोक्त परिस्थितियों में, हम राज्य सरकार और अन्य सभी हितधारकों से शैक्षणिक संस्थानों को फिर से खोलने और छात्रों को जल्द से जल्द कक्षाओं में लौटने की अनुमति देने का अनुरोध करते हैं। अदालत ने कहा, हम राज्य सरकार और सभी हितधारकों से अनुरोध करते हैं कि वे शिक्षण संस्थानों को खोलें और

विद्यार्थियों को कक्षाओं में यथाशीघ्र लौटने की अनुमति दें। संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई लंबित रहने के मद्देनजर अगले आदेश तक हम सभी विद्यार्थियों को भले वे किसी धर्म और आस्था के हों, कक्षा में भगवा शॉल, गमछा, हिजाब, धार्मिक झंडा या इस तरह का सामान लेकर आने पर रोक लगाते हैं। अदालत ने कहा, हम यह स्पष्ट करते हैं कि यह आदेश उन संस्थानों तक ही सीमित है जहां कॉलेज विकास समितियों ने छात्र ड्रेस कोड/वर्दी निर्धारित की है।ह्र हाई कोर्ट ने आंदोलन पर दुख भी जताया। कोर्ट ने कहा, ह्लसबसे पहले, हम पिछले कुछ दिनों से चल रहे आंदोलन और शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने से आहत हैं, विशेष रूप से जब यह न्यायालय इस मामले पर विचार कर रहा है और संवैधानिक महत्व और व्यक्तिगत कानून के महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीरता से बहस हो रही है।

दिल्ली: इमारत ढही, बच्चों समेत चार-पांच लोगों के दबे होने की आशंका

नई दिल्ली। दिल्ली के एनआईए इलाके में एक इमारत जमींदोज हो गई जिसमें कुछ बच्चों समेत चार-पांच लोग फंसे हैं। एनआईए पुलिस स्टेशन को इस घटना की जानकारी 2.45 बजे इस हादसे की सूचना मिली थी।

सूचना मिलने पर जब पुलिस मौके पर पहुंची तो यह पता चला कि नरेला थाना क्षेत्र में आने वाली ये इमारत राजीव रतन आवास का हिस्सा है, जिसमें 300-400 फ्लैट हैं। पुलिस के साथ ही यहां तीन जेसीबी मशीन, एक हाईड्रा और दो एंबुलेंस पहुंचीं और राहत बचाव का कार्य शुरू किया। बचाव कार्य के दौरान फातिमा और शहनाज को मलबे से निकाला गया और फिर उन्हें पूथ खुर्द, दिल्ली के एमवी अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया। वहीं रुकिया खातून और एक अन्य शहनाज नाम की नौ वर्षीय बच्ची व दो-तीन और लोगों के अब भी मलबे में फंसे होने की आशंका है। यहां राहत व बचाव कार्य अब भी जारी है और बाहर निकाले गए दोनों लोग खतरे से बाहर हैं।

हमारा 'अमृत काल' आपका तो 'राहु काल' चल रहा है

कांग्रेस पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का तंज

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा, हमारा अमृत काल आपका राहु काल है।ह्र भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर एक कांग्रेसी सांसद द्वारा ताने के जवाब में केंद्रीय बजट 2022-2023 की चर्चा पर राज्यसभा में अपनी समापन टिप्पणी के दौरान सीतारमण ने ये बात कही। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) शासन के दौरान बड़े घोटालों का जिक्र करते हुए, सीतारमण ने इसे ₹देश के लिए राहु कालह्र करार दिया। वित्त मंत्री ने कहा, ₹राहु काल तब होता है जब एक मौजूदा प्रधानमंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति से मिलने वाले थे और उन्होंने जो बिल पास किया था वह फाड़ दिया गया था .... लेकिन मैं यह बताना चाहती हूं कि राहु काल वह है जिसे जी-23 कहा जाता है।

हमारा अमृत काल उसका राहु काल है। पार्टी के वरिष्ठ नेता पार्टी छोड़ रहे हैं और बाहर निकल रहे हैं, यह राहु काल है। कोई आश्चर्य नहीं कि राहु काल का सामना करने वाली कांग्रेस पार्टी को 44 सीटें मिल रही हैं और वह इससे बाहर नहीं आ पा रही है सीतारमण ने कहा, ₹जिन राज्यों में कांग्रेस का शासन है, वहां राहु काल है, जहां वे कहते हैं, ₹लड़की हूं, लड़ सकती हूं₹... लेकिन राजस्थान में लड़कियां लड़ने में सक्षम नहीं हैं। वहां आए दिन कोई न कोई कांड हो रहा है।ह्र उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लाई गई कई योजनाओं के बारे में भी विस्तार से जवाब दिया। वित्त मंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि ₹आने वाले 25 वर्ष भारत के लिए महत्वपूर्ण होने जा रहे हैं। यदि हमारे पास 100 साल के भारत के लिए कोई विजन नहीं है, तो हम पहले 70 वर्षों के समान ही पीड़ित होंगे, जब 65 वर्ष कांग्रेस के साथ थे, जिसमें एक परिवार का समर्थन, निर्माण और लाभ के अलावा कोई दृष्टि नहीं थी। राज्यसभा में आम बजट पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए सीतारमण ने यह भी कहा कि कांग्रेस में कोई लोकतंत्र नहीं है, क्योंकि संप्रग सरकार के शासन में राष्ट्रीय नीतियां 10, जनपथ (कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का सरकारी आवास) में बनती थीं और घोषणाएं 7, लोक कल्याण मार्ग (प्रधानमंत्री आवास) से होती थीं।

पार्टी कुर्बानी पर भी एक ही सीट, जानें शिवपाल के दर्द पर क्या बोले अखिलेश यादव

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) के प्रमुख शिवपाल यादव भले ही अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए लोगों से वोट मांग रहे हैं, लेकिन लगभग हर सभा में अब उनके दिल का दर्द जुबां पर आ रहा है। पार्टी कुर्बान करने के बावजूद महज एक सीट मिलने पर शिवपाल यादव कह रहे हैं, कि उन्होंने बड़े भाई मुलायम सिंह यादव के कहने पर सपा से गठबंधन किया, लेकिन उन्हें महज एक सीट मिला। अब अखिलेश यादव ने इस पर जवाब दिया है। अखिलेश यादव से जब एक टीवी चैनल ने शिवपाल के दर्द पर सवाल किया तो उन्होंने जिताऊ उम्मीदवारों को टिकट देने की बात कही। अखिलेश यादव ने कहा, "यह समय इस बात की चर्चा का नहीं है कि कौन कितना सीट पाया है, समाजवादी पार्टी ने कोशिश की है कि उनको प्रत्याशी बनाने की कोशिश की है, जिनको जीत हासिल हो सके। अखिलेश यादव ने एक तरह

से इशारा कर दिया है कि शिवपाल गलत समय पर यह मुद्दा उठा रहे हैं तो उनकी 'जिताऊ प्रत्याशी' दलील से साफ है कि उनकी नजर में प्रसपा में शिवपाल यादव के अलावा कोई और जिताऊ उम्मीदवार नहीं था। शिवपाल यादव ने कहा है कि वह अपने बड़े भाई मुलायम सिंह यादव (नेता जी) का बेहद सम्मान करते हैं और उन्हीं के कहने पर सपा गठबंधन का हिस्सा बने थे। "नेताजी कहते थे कि कम से कम 100 सीटें लेना, फिर बोले कम से कम से 200 सीटें लेना लेकिन मैंने तो केवल 100 ही मांगी थी मगर उन्होंने (अखिलेश) ने कहा कि कुछ कम कर दो, तो पहले 65, फिर 45 और फिर 35 कर दी, फिर बोले यह भी ज्यादा है फिर मैंने कहा कि सर्वे करा लो, जितने भी हमारे जीतने वाले लोग हों, उन्हीं को टिकट दे दो ।

परिवारवादियों ने अपनी तिजोरी भरी

कासगंज में बोले पीएम - इन्हें गरीबों की जरा भी फिक्र नहीं

कासगंज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कासगंज के पटियाली में चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज पंडित दीनदयाल की पुण्यतिथि है। पंडित जी ने पूरा जीवन अंत्योदय के लिए समर्पित कर दिया। दीनहीन लोगों के जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास किया। कल्याण सिंह को याद करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा से भाजपा निरंतर गरीबों, दलितों की सेवा में जुटी है। यूपी में पहले चरण का मतदान पूरा हो गया है। लोगों ने भारी संख्या में मतदान किया है। विशेष रूप से बहन-बेटियों ने जमकर मतदान किया है। जो रुझान आए हैं, वो यह बात रहा है कि भाजपा का परचम लहरा रहा है। विपक्षियों पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मतदान के बाद नेताओं के चेहरे लटके हुए हैं। योगी जी क्या हाल कर दिया इन लोगों का। ये लोग घोर परिवारवादी हैं। उनको यह बात पता चल गई है कि नैया डूब चुकी है। अभी से ही ईवीएम, चुनाव आयोग पर सवाल उठना शुरू कर दिया है। क्रिकेट में विकेट नहीं मिलती है, तब बॉलर चिल्लता है। आउट आउट है। नहीं होता है तो अंपायर पर गुस्सा करता है। पहले चरण के बाद ये लोग उसी तरह व्यवहार करने लगे हैं, लेकिन अब उत्तर प्रदेश को गुंडाराज नहीं चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं घोर परिवारवादियों से कहना चाहता हूं आपकी नैया डूबना तय है। ईवीएम को गालियां देनी हैं तो 10 मार्च के बाद बहुत दिन हैं देते रहना। जनता ने घोर परिवारवादियों की नींद उड़ा दी है। इन लोगों ने कितनी कोशिश की है। जाति के नाम पर अलग करने की। ये लोग पूरी तरह फेल हो गए हैं। महलों में जिंदगी में गुजारने वालों को जमीनी सच्चाई का पता ही नहीं है। इन घोर परिवारवादियों ने अपनी तिजोरी भरी हैं, इन्हें गरीबों की जरा भी फिक्र नहीं है। मोदी ने कहा कि जहां डर होता है। अपराध होता है। माफियाराज होता है। वहां विकास नहीं हो सकता। कानून व्यवस्था कामय करना आसान नहीं होता। कानून व्यवस्था के लिए बहुत मेनहत होती है। सारे तंत्र को सजग करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि आपके पास बंगला है, गाड़ी है, खेत है, सबकुछ है। कोई दुख नहीं है, लेकिन माफिया और गुंडाओं की चलती है। उस माहौल में जवान बेटा सुबह घर से गया। शाम को उसकी लाश आए तो उस घर में सबकुछ होने का क्या उपयोग है। सुरक्षा जीवन में बहुत जरूरी है। यह काम योगी जी ने किया है। प्रधानमंत्री से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा की सरकार ने पांच साल में बिना भेदभाव समाज के लोगों के हितों में काम किया है। सपा की सरकार के समय महिला सुरक्षा और महिला गरिमा तार-तार होती थी। हमारी सरकार में महिला सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति अभियान चल रहा है। भाजपा की सरकार में प्रदेश के अंदर दो करोड़ 61 लाख गरीबों के घर में शौचालय का निर्माण हुआ है। मेडिकल कॉलेज बनवाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की चुनावी रैली में कासगंज और अमांपुर विधानसभा, पटियाली विधानसभा, एटा की मारहरा, एटा सदर, अलीगंज विधानसभा, बदायूं की दातागंज एवं शेखुपुर विधानसभा, फरुखाबाद जनपद की कायमगंज विधानसभा के कार्यकर्ता व समर्थक पहुंचे।

बसपा की नौ प्रत्याशियों की एक और लिस्ट जारी

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव के लिए बसपा ने एक और सूची जारी की है। छठवें चरण चुनाव के लिए जारी इस लिस्ट में कुछ तब्दीली के साथ ही 12 प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया है। बलरामपुर जिले के तुलसीपुर से भुवन प्रताप सिंह, महाराजगंज के नौतनवा से अमरमणि त्रिपाठी, सिसवा से धीरेंद्र प्रताप सिंह, गोरखपुर के सहजनवा सीट से सुधीर सिंह, कुशीनगर के खड्डा से निसार अहमद, तमकुहीराज से संजय गुप्ता, फाजिलनगर से इलियास अंसारी, देवरिया के रुद्रपुर से सुरेश कुमार तिवारी, बलिया के बैरिया सीट से सुभाष यादव को बसपा ने अपना प्रत्याशी बनाया है। आपको बता दें कि इससे पहले छठवें चरण की इस लिस्ट में अवध और पूर्वांचल के 54 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया था। इसमें अंबेडकरनगर, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संतकबीर नगर, महाराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया और बलिया जिले की विधानसभा सीटों से लड़ने वाले प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की गई है। बसपा ने उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने गोरखपुर शहर सीट पर ख्वाजा समसुद्दीन को पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनावी मैदान में उतारा है।

भाजपा ने चोरी किया था कांग्रेस का जनादेश, इस बार हमें मिलेगा स्पष्ट बहुमत: राहुल गांधी

पणजी। गोवा में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। इसी बीच कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने कहा कि गोवा में बेरोजगारी सभी को दिखाई दे रही है और यहां का हर युवा जानता है इसके बारे में। पर्टयन की समस्या भी सभी जानते हैं। पिछले 5 साल भाजपा ने जो राज किया है उसे उन्होंने यहां से चोरी की थी। यह उनकी बहुमत नहीं थी। उन्होंने कहा कि गोवा ने 5 साल पहले कहा था कि हम

कांग्रेस की सरकार चाहते हैं। भाजपा ने पैसा देकर बहुमत को चुराया है और फिर उन्होंने पिछले 5 साल में कुछ नहीं किया। यह यहां का हर एक व्यक्ति जानता है। भाजपा अब यहां पर आकर कहती है कि 2012 से पहले कुछ नहीं हुआ लेकिन सच्चाई गोवा जानती है। उन्होंने कहा कि हमारे पास गोवा के लिए एक विजन है। मैं उसके बारे में आपको बता देता हूं। हमने न्याय योजना लागू करने की बात कही है। जिसमें जरूरतमंद परिवारों को 6,000 रुपए प्रतिमाह दिया जाएगा। 30 फीसदी महिलाओं को सरकारी नौकरी देंगे। बजट में 5,000 करोड़ रुपए रोजगार पैदा करने के लिए देंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि गोवा को हम आईटी हब बनाएंगे। इसके साथ ही हम सत्ता में आने के तुरंत बाद ही स्थायी और कानूनी तरीके से खनन प्रक्रिया पर काम करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम गोवा की सरकार बनाना चाहते हैं। हम गोवा की जनता की आवाज को सुनना चाहते हैं और उसका आदर करना चाहते हैं।

पश्चिम बंगाल: पिछले महीने हुए बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस हादसे में रेलवे का बड़ा खुलासा, बड़ी लापरवाही सामने आई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में पिछले महीने हुए ट्रेन हादसे में रेलवे अधिकारियों की बड़ी लापरवाही सामने आई है। दरअसल, 13 जनवरी को बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस के कई डिब्बे पटरी से उतर गए थे। इस घटना में नौ लोगों की मौत हुई थी। वहीं, कई और घायल भी हुए थे। अब लगभग एक महीने बाद उस हादसे की जांच रिपोर्ट सामने आई है। इसमें कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस हादसे का शिकार होने से पहले करीब 18 हजार किलोमीटर का सफर ठीक तरह से जांच हुए बिना ही पूरा कर चुकी थी, जबकि आमतौर पर रेलवे की जिम्मेदारी होती है कि वह हर 4500 किमी पर ट्रेन के इंजन की जांच करे। रेलवे सुरक्षा आयोग की ओर से पूर्वोत्तर फ्रंटियर रेलवे को लिखी चिट्ठी में रेल नेटवर्क की फर्जी जांच किए जाने के मुद्दे पर भी चेतावनी दी गई है। इसमें कहा गया है कि ट्रेन के इंजन की सुरक्षा जांच आखिरी बार छह दिसंबर 2021 को हुई थी। इसके बाद हादसा होने तक ट्रेन बिना जांच के 18 हजार किमी दौड़ चुकी थी। चिट्ठी में कहा गया है कि जैसा कि जांच के नियम हैं, हअढ4 वर्ग के ट्रेन इंजनों की हर 4500 किमी पर जांच सुनिश्चित की जानी चाहिए, लेकिन बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस के इंजन के साथ ऐसा नहीं किया गया।

गौरतलब है कि ट्रेन की सुरक्षा के लिहाज से ट्रेन के इंजन की जांच काफी अहम है। इसमें रेलवे के ट्रेन्ड अधिकारी इंजन के अंडरगियर से लेकर सभी सुरक्षा बारीकियों को परखते हैं, ताकि ट्रेन का सही से संचालन सुनिश्चित किया जा सके। रेलवे सुरक्षा आयोग की तरफ से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि ऐसी उम्मीद की जाती है कि रेलवे ने एक ऐसा सिस्टम निर्धारित किया है, जिससे सुरक्षा जांच समय-समय पर होती रहे।

हालांकि, हादसे की जांच के दौरान जो दस्तावेज रखे गए, उनसे सामने आया है कि इंजन की जांच के लिए समस्तीपुर संभाग की तरफ से न्यू कूचबेहार और आगरा फोर्ट के बीच इलेक्ट्रिक इंजन आवंटित किए गए। लेकिन इन दोनों ही स्थानों पर यात्रा परीक्षण की कोई व्यवस्था मौजूद नहीं है। तो रेलवे के सामने एक बड़ा जांच का विषय यह भी है कि आखिर इस तरह फर्जी परीक्षण कैसे हो सकते हैं।

सार समाचार

नितिन गडकरी द्वारा जनरल बिपिन रावत को समर्पित कैलेंडर लोकार्पित

नई दिल्ली। केन्द्रीय राजमार्ग एवं सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी ने आज तरूण विजय द्वारा अभिकल्पित तथा विभिन्न सैनिक ग्रामों और सैनिक यूनिटों को भेजे जाने वाला ह्यउत्तराखण्ड के शहीदद्ध कैलेंडर लोकार्पित किया। यह कैलेंडर भारत के पूर्व रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत की स्मृति को समर्पित है। इस कैलेंडर में उत्तराखण्ड के विभिन्न काल खण्डों के वीरगति प्राप्त बलिदानी सैनिको के चित्र प्रकाशित किए गए हैं। अपने ढंग का यह पहला कैलेंडर है और श्री नितिन गडकरी ने इसकी प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे युवको में देशभक्ति और सेना में भरती होने की भावना जगेगी। उत्तराखण्ड युद्ध स्मारक शौर्य स्थल के अध्यक्ष श्री तरूण विजय ने श्री नितिन गडकरी जी को कैलेंडर भेंट किया। आपको बता दें कि भारत के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन हो गया था। वह उत्तराखंड के ही रहने वाले थे।

2023 के विधानसभा चुनाव में जुटी बीजेपी, समर्पण निधि अभियान का हुआ आगाज

भोपाल। मध्य प्रदेश में मिशन 2023 की तैयारी शुरू हो गई है। बीजेपी और कांग्रेस दोनो ही अपने वोटरों को साधने में जुटी हुई है। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश बीजेपी का समर्पण निधि अभियान आज से शुरू हो रहा है। इसके तहत बीजेपी ने 150 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। इस अभियान के दौरान पार्टी बूथ स्तर तक पहुंचेगी और अपनी पकड़ मजबूत करेगी। हाल ही में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के नेतृत्व में बीजेपी पदाधिकारियों ने आभियान को लेकर मंथन किया था और कार्ययोजना तैयार की थी। आपको बता दें कि 2023 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए बीजेपी ने इस बार 150 करोड़ समर्पण निधि जमा करने का लक्ष्य रखा है। समर्पण निधि कार्यक्रम के लिए पार्टी ने सभी जिले के कार्यकताओं को लक्ष्य दिया है। भोपाल सहित इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, सागर, रतलाम, रीवा में विशेष अभियान चलेगा। बताया जा रहा है कि समर्पण निधि कार्यक्रम के दौरान सभी वर्ग के कार्यकर्ता शामिल रहेंगे। ताकि 150 करोड़ समर्पण निधि के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा खुद अभियान को देखेंगे। इसे लेकर प्रदेश अध्यक्ष वी डी शर्मा ने कहा कि कांग्रेस जिंदगी भर काले धन के आधार पर इस देश के अंदर आगे बढ़ती रही। काला धन ही उनका विचार है और उनके खून में भी काला धन है। जैसा प्रधानमंत्री कहते हैं फूट डालो राज्य करो यही उनके चरित्र और जींस में है। उनको लगता है सब लोग भी ऐसा करते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान के मंदिर में हूं यहाँ किसी की आलोचना करना उचित नहीं मानता। लेकिन मैं मानता हूं कि वह केवल काले धन के बारे में ही सोच सकते हैं। लेकिन यह जो अभियान है हमारा। कार्यकताओं का अपने विचार, अपने संगठन के प्रति समर्पण है। यह किसी प्रकार का कोई कलेक्शन नहीं है।

मुख्यमंत्री चन्नी के भतीजे की मुश्किलें नहीं हो रही कम, अवैध खनन मामले में 14 दिनों की बढ़ाई गई न्यायिक हिरासत

चंडीगढ़। पंजाब में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के भतीजे की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। आपको बता दें कि भूपिंदर सिंह हनी की हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी गई है। इससे पहले भी भूपिंदर सिंह हनी की हिरासत बढ़ाई गई थी। कोर्ट में ईडी ने दावा किया था कि भूपिंदर हनी ने पूछताछ में कबूला कि अवैध खनन मामले में अधिकारियों का तबादला करवाकर करोड़ों रुपए की वसूली की है। भूपिंदर सिंह हनी की गिरफ्तारी के बाद उन्हें 8 फरवरी तक के लिए हिरासत में भेजा गया था। इसके बाद हिरासत को 3 दिनों के लिए और बढ़ा दिया गया था। ऐसे में शुक्रवार को एक बार फिर से भूपिंदर सिंह हनी की हिरासत बढ़ाई गई। ईडी ने बताया था कि भूपिंदर हनी ने कबूला है कि सीमावर्ती राज्य में अवैध खनन से जुड़ी गतिविधियों और अधिकारियों की नियुक्ति अथवा तबादले में मदद करने के एवज में उसे 10 करोड़ रुपए नकद मिले थे।

3 फरवरी को हुई थी गिरफ्तारी

मुख्यमंत्री चन्नी के भतीजे भूपिंदर हनी की 3 फरवरी को गिरफ्तारी हुई थी। केंद्रीय जांच एजेंसी ने 18 जनवरी को भूपिंदर हनी और अन्य के खिलाफ छापेमारी की कार्रवाई की थी। इस दौरान भूपिंदर हनी के ठिकाने से करीब 7.9 करोड़ रुपए, जबकि उससे जुड़े संदीप कुमार नाम के शख्स के परिसर से करीब दो करोड़ रुपए जब्त किए गए थे।

प्रियंका का योगी पर हमला, कहा- गर्मी निकालने की बात करने वाले भर्ती क्यों नहीं निकाल रहे?

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अपने चरम पर है। सभी राजनीतिक दलों के नेता उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। इन सबके बीच प्रियंका गांधी रामपुर पहुंची थीं जहां उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर जबरदस्त तरीके से हमला किया। योगी आदित्यनाथ पर हमला करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि दूसरों की गर्मी शांत करने का बयान देने वाले योगी आदित्यनाथ रोजगार के अवसर क्यों नहीं पैदा कर रहे हैं? इसके साथ ही प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा की नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की गलत नीतियों के वजह से व्यापारी और व्यवसाय बर्बाद हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की आर्थिक नीतियों ने आम आदमी पर चोट की, जबकि काला धन रखने वाले वाले अच्छा जीवन जी रहे हैं। प्रियंका ने कहा कि वे कहा करते हैं कि गरमी निकाल देंगे, चरबी निकाल देंगे। क्या ये मुद्दे लोगों को परेशान कर रहे हैं? मैं उनसे पूछना चाहती हूं कि जब वे पांच साल से सत्ता में हैं, (नौकरियों के लिए) रिक्तियां क्यों नहीं निकाल रहे हैं और रोजगार के अवसर क्यों नहीं पैदा कर रहे हैं? इसके साथ ही कांग्रेस महासचिव ने कहा कि आज प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) कह रहे हैं कि कांग्रेस ने महामारी के दौरान यात्रा करने के लिए लोगों को मुफ्त टिकट दिये, वह हम पर संक्रमण फैलाने का आरोप लगा रहे हैं। आपको अवश्य उनकी सोच को समझना चाहिए। लाखों लोग पैदल सैकड़ों किमी यात्रा करने को मजबूर हुए थे और प्रधानमंत्री कहते हैं कि हमने लोगों की मदद कर गलत किया।

सरकार ने राज्यसभा के बताया, 10 रुपए के सिक्के पूरी तरह मान्य हैं, नकली नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)

आजकल कई दुकानदार 10 रुपए का सिक्का लेने से मना कर रहे हैं। इतना ही नहीं कई रिक्शावाले बोल देते हैं कि 10 रुपए का सिक्का नहीं लेने वाले हैं, क्योंकि यह सिक्का नहीं चलता या फिर यह नकली है। दरअसल इसके पीछे वजह है कि बाजार में 10 रुपए के कई तरह के सिक्के मौजूद हैं। इसके बाद लोगों के दिलों में भ्रम है कि यह नकली हैं।इस आशंका को दूर करने के लिए केंद्र सरकार ने संसद में स्पष्ट किया है कि 10 रुपए के सिक्के पूरी तरह मान्य हैं और ये नकली नहीं हैं। सरकार की ओर से कहा गया कि 10 रुपए के सिक्कों को सभी प्रकार के लेन-देन के लिए लीगल टेंडर के तौर पर इस्तेमाल हो सकता है।

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने 8 फरवरी को राज्यसभा में कहा कि 10 रुपए के सभी प्रकार के सिक्के लीगल टेंडर हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न आकार, थीम और डिजाइन में भारत सरकार के अधिकार क्षेत्र के तहत मिंटेड और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सकुर्लेट किए गए 10 रुपए के सिक्के लीगल टेंडर हैं। इन्हें सभी प्रकार के ट्रांजेक्शन में लीगल टेंडर के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। पंकज चौधरी राज्यसभा में ए विजयकुमार के प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।

पंकज चौधरी ने कहा कि जब 10 रुपए के सिक्के नहीं लेने की शिकायतें आती हैं,तब इस लेकर आरबीआई भी समय-समय पर लोगों को जागरूक करता रहता है।आरबीआई समय-समय पर जनता से बिना किसी झिझक के अपने सभी लेनदेन में सिक्के को लीगल टेंडर के रूप में स्वीकार करने का आग्रह करता है। इसके अलावा आरबीआई इस बारे में पूरे देश में एसएमएस के जरिए जागरुक कर प्रिंट मीडिया अभियान भी चलाता है। जनता के मन में जागरुकता पैदा करने, भ्रांतियों व भय को दूर करने के लिए, आरबीआई समय-समय पर प्रेस विज्ञप्ति जारी करता है और जनता से बिना किसी झिझक के अपने सभी लेनदेन में सिक्के को लीगल टेंडर के रूप में स्वीकार करने का आग्रह करता है।

धर्म और जाति की बातों से जनता का पेट नहीं भरेगा

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश में पहले चरण के लिए वोटिंग हो चुकी है और अब दूसरे चरण के लिए मतदान होना है। इसको लेकर सभी दल चुनाव प्रचार में जुटे हैं। प्रियंका गांधी ने कांग्रेस की महाप्रतिज्ञा रैली में कहा कि कल मैंने कल जनसभा में कहा कि कितने नौजवान हैं, सब नौजवान हाथ उठाइए, लगभग पूरी सभा ने हाथ उठाया। फिर मैंने पूछा कि पिछले 5 साल में आपमें से कितनों को रोजगार मिला, सब हाथ नीचे आ गए। प्रियंका ने कहा कि जब मैंने खेत में काम कर रही महिलाओं से बात की, उस समय मुझे 8-10 नौजवान महिलाएं मिली, मैंने पूछा कि पढ़ाई कर रही हो हंसने लगी, कहने लगी कि दीदी हम तो मटर बीन रही हैं। कुछ एकाध ने ही कहा कि स्कूल जाती हैं, मगर खेत में काम भी करना पड़ता है। उसके बाद मैं दुकानदारों से मिली। दुकानदारों से पता चला कि उनके जैसे जितने भी छोटे दुकानदार हैं, जीएसटी और नोटबंदी से बहुत परेशान हैं। कोरोना और लॉकडाउन ने कमर तोड़ दी, कमाई कर नहीं पा रहे थे, बिजली के बिल भर रहे थे। प्रियंका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री के दो मित्र एशिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में नंबर 1 और नंबर 2 पर आ चुके हैं। असलियत ये है कि भाजपा सरकार अपने उद्योगपति मितरों के लिए सबकुछ कर रही है। देश की संपत्तियां मितरों को सौंपी जा रही हैं। उत्तर प्रदेश में मुख्य समस्या बेरोजगारी है, महंगाई है, महिलाओं की सुरक्षा है, किसानों की बड़ी-बड़ी समस्याएं हैं। महंगाई चरम पर है, मैं जानती हूं कि आप किस तरह से अपनी रोजी-रोटी कमा रहे हैं। पेट्रोल-डीजल के दाम इतने बढ़ चुके हैं कि आप खरीद नहीं पा रहे हैं, 1000 रुपए का गैस सिलेंडर भरने का आपके पास पैसा नहीं है। मुख्य तौर पर ये बड़ी-बड़ी समस्याएं हैं। इन समस्याओं का सामना आप खुद कर रहे हैं, सरकार ने आपको भगवान भरोसे छोड़ दिया है।

भाजपा ने चोरी किया था कांग्रेस का जनादेश, इस बार हमें मिलेगा स्पष्ट बहुमत: राहुल गांधी

पणजी। (एजेंसी)

गोवा में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। इसी बीच कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने कहा कि गोवा में बेरोजगारी सभी को दिखाई दे रही है और यहां का हर युवा जानता है इसके बारे में। पर्टयन की समस्या भी सभी जानते हैं। पिछले 5 साल भाजपा ने जो राज किया है उसे उन्होंने यहां से चोरी की थी। यह उनकी बहुमत नहीं थी।

उन्होंने कहा कि गोवा ने 5 साल पहले कहा था कि हम कांग्रेस की सरकार चाहते हैं। भाजपा ने पैसा देकर बहुमत को चुराया है और फिर उन्होंने पिछले 5 साल में कुछ नहीं किया। यह यहां का हर एक व्यक्ति जानता है। भाजपा अब यहां पर आकर कहती है कि 2012 से पहले कुछ नहीं हुआ लेकिन सच्चाई गोवा जानती है।

उन्होंने कहा कि हमारे पास गोवा के लिए एक विजन है। मैं उसके बारे में आपको बता देता हूं। हमने न्याय योजना लागू करने की बात कही है। जिसमें जरूरतमंद परिवारों को 6,000 रुपए प्रतिमाह दिया जाएगा। 30 फीसदी महिलाओं को सरकारी नौकरी देंगे। बजट में 5,000 करोड़ रुपए रोजगार पैदा करने के लिए देंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि गोवा को हम आईटी हब बनाएंगे। इसके साथ ही हम सत्ता में आने के तुरंत बाद ही स्थायी और कानूनी तरीके से खनन प्रक्रिया पर काम करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम गोवा की सरकार बनाना चाहते हैं। हम गोवा की जनता की आवाज को सुनना चाहते हैं और उसका आदर करना चाहते हैं। यहां जनता ने हमसे कहा कि हम डिफेक्टर नहीं चाहते हैं। ऐसे में हमने एक भी डिफेक्टर को टिकट नहीं दिया। हमने युवाओं को मौका दिया है। क्योंकि हम जानते है कि गोवा की राजनीति को एक नई सोच के साथ बदलना चाहते हैं। गोवा की जनता से बातचीत के बाद घोषणापत्र बनाया गया है। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू गोवा को 1947 में कुछ घंटों में आजाद करा सकते थे इस सवाल पर राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काम भटकाने का है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि उन्हें इतिहास के बारे में जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि गोवा को अपने भविष्य की बात करनी है। नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने यहां पिछले 5 साल में कुछ नहीं किया है। ऐसे में वो भटका रहे हैं।

वैक्सीन के क्षेत्र में भारत सुपर पावर बनने के करीब

नई दिल्ली (एजेंसी)

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना वैक्सीन विकसित करने और उसके उत्पादन के क्षेत्र में भारत दुनिया का सुपर पावर बनने के करीब है। यह बात इंडियन कार्उंसिल आफ मेडिकल रिसर्च आइसीएमआर के महानिदेशक डा. बलराम भार्गव ने कही है। उन्होंने बताया कि टीकाकरण के योग्य देश की 96 प्रतिशत आबादी को अभी तक वैक्सीन की पहली खुराक दी जा चुकी है, जबकि 75 प्रतिशत से ज्यादा लोगों को दो खुराक दी जा चुकी हैं। डा. भार्गव ने बताया कि मैसेंजर आरएनए (एमआरएनए) वैक्सीन के क्लीनिकल ट्रायल के तीन चरण पूरे हो चुके हैं। यह वैक्सीन कोरोना संक्रमण से बचाव के अतिरिक्त भविष्य में अन्य बीमारियों के इलाज के लिए भी इस्तेमाल हो सकेगी। अगर हमारी संस्थाओं के कार्यो को देखा जाए तो हमें यह कहने में कोई शक नहीं कि हम जल्द ही वैक्सीन के सुपर पावर होंगे। वैक्सीन के जरिये हम अन्य बीमारियों को रोकने में कामयाब होंगे। आइसीएमआर के प्रमुख ने कहा, बहुत बड़ी संख्या में देश के लोगों ने टीकाकरण अभियान में शामिल होने का उत्साह दिखाया, उसी का नतीजा है कि कोविड महामारी के तीसरी लहर को रोक पाने में हम कामयाब रहे। तीसरी लहर में बहुत कम लोगों को अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत पड़ी। ज्यादातर लोग सामान्य दवाओं से घर में रहकर ही ठीक हो गए।

पैसा खाने वाले विधायकों और मंत्रियों को छोड़ेंगे नहीं, उनसे जेल में पिसवाएंगे चक्की: शिरोदा में बोले केजरीवाल

शिरोदा। (एजेंसी)

गोवा में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। इसी बीच आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शिरोदा में भारतीय

जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 1960 से लेकर आज तक जितनी भी सरकारें आई उन्होंने गोवा को लूटा है। गोवा की पहली भ्रष्टाचार मुक्त सरकार बनाएंगे... अगर कोई विधायक, मंत्री पैसे खाएगा तो उसे छोड़ेंगे नहीं, उससे जेल में चक्की पिसवाएंगे।

भाजपा-कांग्रेस करती है स्कैम

केजरीवाल ने कहा कि पिछले 5 साल में भाजपा ने कचरा, ऑक्सीजन, लेवर, वेंटिलेटर, पॉवर और जॉब स्कैम किया। उन्होंने स्कैम के अलावा कुछ और नहीं किया है। इससे पहले कांग्रेस वाले स्कैम करते थे और अब भाजपा वाले करते हैं। इसको बदलना है या नहीं ? दिल्ली में भी पहले ऐसे ही होता था। पहले दिल्ली में शीला दीक्षित जी की सरकार थी, उस वक्त पूरे देश में लोग जानते थे कि दिल्ली स्कैम की कैपिटल है। उस वक्त कॉमनवेल्थ स्कैम, सीएनजी स्कैम इत्यादि हुए।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद वहां की छवि बदल गई। दिल्ली में अच्छी-अच्छी सड़कें, स्कूल, हॉस्पिटल इत्यादि बन रही हैं। 24 घंटे बिजली आती है। अब गोवा को भी बदलना है और यहां पर भी एक ईमानदार सरकार लेकर आनी है।

कहां गया 24,000 करोड़ ?

केजरीवाल ने कहा कि 27 साल कांग्रेस ने और 15-15 साल भाजपा और एमजीपी ने सरकार चलाई। ऐसे में गोवा की आज जो हालात है वो इस तमाम पार्टियों ने मिलकर की है। कहते हैं कि गोवा के ऊपर 24,000 करोड़ रुपए का कर्जा है, यह बहुत ज्यादा होता है। मैं पूछना चाहता हूं कि गोवा सरकार ने 24,000 करोड़ रुपए किस चीज में खर्च किया है। पिछले 25-30 साल में गोवा में कोई भी नया हॉस्टिपल, स्कूल, डिस्पेंसरी, सड़क कुछ भी नहीं बना। जब सरकार ने कुछ काम ही नहीं किया तो पैसा कहां गया ?

भारतबोध के प्रखर प्रवक्ता थे दीनदयाल उपाध्याय, देश की समस्याओं का खोजते थे हल: प्रो. संजय द्विवेदी

नई दिल्ली/धर्मशाला। (एजेंसी)

भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने दीनदयाल उपाध्याय को भारतबोध का प्रखर प्रवक्ता बताते हुए कहा है कि वे ऐसे राजनीतिक विचारक थे, जिन्होंने भारत को समझा और उसकी समस्याओं के हल तलाशने के प्रयास किए। उन्होंने कहा कि दीनदयाल जी का लेखन और जीवन भारतबोध को प्रकट करता है। 'सादा जीवन और उच्च विचार' का मंत्र उनके जीवन में साकार होता नजर आता है। प्रो. द्विवेदी शुक्रवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला द्वारा आयोजित सात दिवसीय कार्यक्रम 'दीनदयाल प्रसंग' के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे।

'दीनदयाल उपाध्याय का भारतबोध' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए आईआईएमसी के महानिदेशक ने कहा दीनदयाल जी राजनीतिक लोकतंत्र की सार्थकता के लिए आर्थिक लोकतंत्र के समर्थक थे। उनका मानना था कि जिस तरह 'प्रत्येक व्यक्ति को वोट का अधिकार' राजनीतिक प्रजातंत्र का आधार है, वैसे ही 'प्रत्येक व्यक्ति को काम का अधिकार' आर्थिक प्रजातंत्र का मापदंड है।

प्रो. द्विवेदी के अनुसार भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार से ही प्रेरित है। अंत्योदय की मूल भावना को अगर आपको समझना है, तो आपको भारतीयता और सुशासन को समझना होगा। अंत्योदय का मंतव्य है कि समाज की अंतिम सीढ़ी पर खड़ा व्यक्ति भी सब के साथ आना चाहिये, तभी देश का समान आर्थिक विकास संभव हो पाएगा।

प्रो. द्विवेदी ने कहा कि दीनदयाल जी देश की समस्याओं का देसी अंदाज में हल खोजते थे। उनका मानना था कि विदेशों से ली गई विचार प्रणालियों में हमारे राष्ट्र की सभ्यता एवं संस्कृति प्रकट नहीं हो सकती है। इसलिए राष्ट्रमानस को छूने में वे असफल रही हैं। उनके विचारों में हमेशा राष्ट्रप्रेम और भारतीय जनमानस की समृद्धि की भावना प्रमुख रही है। प्रो. द्विवेदी के अनुसार यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि आज पूरी दुनिया में दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानवदर्शन की स्वीकार्यता बढ़ी है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. जयप्रकाश सिंह ने किया एवं स्वागत भाषण पं. दीनदयाल उपाध्याय पीठ के चेयर प्रोफेसर डॉ. अरुण कुमार ने दिया। धन्यवाद ज्ञापन दीनदयाल उपाध्याय अध्ययन केंद्र के मानद निदेशक डॉ. मलकीत सिंह ने किया। समारोह में बीएचयू से प्रो. कौशल किशोर मिश्रा, आईआईएमसी के डीन (अकादमिक) प्रो. गोविंद सिंह, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. संगीता प्रणवेन्द्र एवं प्रो. अनिल सौमित्र भी उपस्थित थे।

कश्मीर से केरल तक... योगी की अपील पर नेता क्यों मचा रहे राजनीतिक शोर

नई दिल्ली (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज है। इन सबके बीच योगी आदित्यनाथ ने कुछ ऐसा बयान दिया जिसकी वजह से अब विरोधी उन पर हमलावर हो गए हैं। दरअसल, गुरुवार को उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए पहले चरण के वोट डाले गए। पहले चरण के लिए मतदाताओं से वोट डालने की अपील करते हुए योगी आदित्यनाथ ने उन्हें आगाह भी कर दिया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर इस बार मतदाता चूक गए तो उत्तर प्रदेश को कश्मीर, बंगाल और केरल बनते देर नहीं लगेगी। इसके साथ ही योगी आदित्यनाथ ने यह भी बता दिया कि उनकी सरकार ने दंगाइयों और आतंकवादियों पर अंकुश लगाया है।

योगी ने अपने ट्विटर हैंडल के जरिये साझा किए गए एक वीडियो में कहा कि आज मुझे कोई चिंता है तो केवल एक है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रदेश में जिन-जिन दंगाइयों और आततायियों पर अंकुश लगा है, वे सब मचल रहे हैं। आतंकी बार-बार धमका रहे हैं कि एक बार सरकार आने दीजिए। आप सावधान रहिए। आप चूके, तो पांच साल की मेहनत पर पानी फिर जाएगा और इस बार उत्तर प्रदेश को कश्मीर, बंगाल और केरल बनते देर नहीं लगेगी। योगी ने कहा कि पिछले पांच वर्षों के दौरान आपने किसी घोटाले के आरोप नहीं सुने। मैं एक योगी हूं और मेरे भगवे पर कोई दो पैसे के भ्रष्टाचार का दाग नहीं लगा सकता, लेकिन इस बात के लिए भी मैं आपसे अपना वोट नहीं मांगूंगा। यह मुझे शोभा नहीं देता। मुझे सबसे बड़ा संतोष इस बात का है कि आज हमारा उत्तर प्रदेश गुंडों, बदमाशों, दंगाइयों, उगाही गिरोह, पेशेवर अपराधियों और माफियाओं के आतंक से मुक्त है। उन्होंने कहा कि पलायन कर गए हिंदू अब अपने घरों को लौट चुके हैं। उन्हें धमकाने और प्रताड़ित करने वाले लोग या तो जेलों में बंद हैं या फिर सहम कर कहीं दुबक गए हैं। पुलिस भी अब बिना राजनीतिक हस्तक्षेप के काम करती है।

अब इसी को लेकर राजनीतिक बवाल शुरू हो गया है। केरल के मुख्यमंत्री ने भी योगी आदित्यनाथ पर पलटवार किया है। पी विजयन ने कहा कि अगर उत्तर भारत का राज्य उत्तर प्रदेश केरल की तरह विकास करता तो अधिक शांति और बेहतर जीवन के हालात होते। केरल के मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया कि अगर यूपी केरल जैसा हो जाता है, जिसका डर योगी आदित्यनाथ को है, तो देश की सर्वश्रेष्ठ शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधा, समाज कल्याण, उच्च जीवन स्तर और सौहार्दपूर्ण समाज को यूपी में स्थापित किया जा सकेगा जहां जाति और धर्म के नाम पर लोगों की हत्या नहीं होगी। यूपी की जनता यही चाहती है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने भी योगी आदित्यनाथ की उनके एक बयान को लेकर कटु आलोचना की। अब्दुल्ला ने ट्वीट किया कि आपको भाग्यशाली होना चाहिए। जम्मू-कश्मीर में गरीबी कम है, मानव विकास सूचकांक बेहतर है, अपराध कम है और उत्तर प्रदेश

के मुकाबले जीवन स्तर बेहतर है। कमी सिर्फ पिछले तीन-चार साल में सुशासन में आयी है, यह अस्थाई परिघटना है।

सार समाचार

फाइनैंशियल एक्शन टास्क फोर्स की बैठक में ब्लैक लिस्ट हो सकता हैं पाकिस्तान

इस्लामाबाद। फाइनैंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानी एफएटीएफ की बैठक महीने के आखिर में होने वाली है। इस बार भी दुनिया की नजरें पाकिस्तान के ग्रे लिस्ट में रहने या बाहर आने पर रहेंगी। हालांकि यह भी मुमकिन है, कि एफ.ए.टी.एफ. पाकिस्तान को ब्लैक लिस्ट कर दे।
एक्सपर्ट्स का मानना है कि एफएटीएफ की बैठक में बहुत सख्ती से इस पर गौर किया जाएगा कि इमरान सरकार ने टैरर फाइनैंसिंग और बड़े आतंकियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की और इसके सबूत कहां हैं? अगर वह सबूत नहीं देता, तब 4 साल बाद भी उसका ग्रे लिस्ट में रहना तय है। मीटिंग 21 से 25 फरवरी तक चलेगी। इस लिस्ट में उन देशों को रखा जाता है, जिन पर टेरर फाइनेंसिंग और मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल होने या इनकी अनदेखी का शक होता है। इन देशों को कार्रवाई करने की सशर्त मोहलत दी जाती है। इसकी मॉनिटरिंग की जाती है। कुल मिलाकर आप इस 'वॉर्निंग विद मॉनिटरिंग' कह सकते हैं।

नाक के जरिए लिया जाने वाला नया टीका कोरोना वायरस के कई स्वरूपों के खिलाफ कारगर: अध्ययन

टोरंटो (कनाडा)। कनाडा में मैकमास्टर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने नाक के जरिए लिए जाने वाले कोविड-19 रोधी टीके को विकसित किया है जो वायरस के सभी स्वरूपों के खिलाफ व्यापक, दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान कर सकता है। परीक्षण के दौरान किए गए अध्ययन में यह पाया गया है। शोध पत्रिका ह्यसेलह्न में हाल में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है किपारंपरिक इंजेक्शन के बजाय सीधे श्वांस नलिका से लिए जाने वाले टीके के कई लाभ मिले हैं क्योंकि इंजेक्शन के जरिए पारंपरिक रूप से लिए जाने वाले टीके के बजाय यह नाक के माध्यम से सीधे फेफड़ों और श्वसन नलिकाओं तक पहुंचते हैं जहां से सांस के जरिए वायरस शरीर में प्रवेश करते हैं। अध्ययन पशु मॉडल पर आधारित है। वर्तमान में उन स्वस्थ वयस्कों पर श्वांस के जरिए एरोसोल टीकों का मूल्यांकन किया जा रहा है, जिन्हें पहले से ही कोविड-19 एमआरएनए टीके की दो खुराक मिल चुकी हैं। अध्ययन के सह-प्रमुख लेखक झोउ जिंग ने तपेदिक के एक टीके के अनुसंधान कार्यक्रम पर रणनीति बनाई थी। मैकमास्टर विश्वविद्यालय में प्रोफेसर जिंग ने कहा, ह्यहमने कई वर्षों के अनुसंधान से जो खोजा है, वह यह है कि फेफड़े में दिया जाने वाला टीका श्वसन संबंधी श्लेष्मा प्रतिरक्षा को प्रेरित करता है। इंजेक्शन वाले टीके की तुलना में यह ज्यादा कारगर है।

ड्रोन के मलबे से एक भारतीय सहित 12 लोग घायल

रियाद। सऊदी अरब की सेना ने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बना कर किए गए एक ड्रोन हमले को नाकाम करते हुए ड्रोन को नष्ट कर दिया। इस दौरान ड्रोन का मलबे गिरने से एक भारतीय नागरिक सहित 12 लोग घायल हो गए।
सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। सऊदी नीत गठबंधन के प्रवक्ता जनरल तुर्की अल-मल्की ने कहा, 'सऊदी हवाई रक्षा ने यात्रा करने वाले नागरिकों और अभा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कर्मियों को निशाना बनाते हुए आतंकवादी, ईरान समर्थित हुती विद्रोहियों के बम से लदे ड्रोन हमले को नाकाम कर दिया।'
खबर के अनुसार इस घटना में एक भारतीय, चार बांग्लादेशी, तीन नेपाली, एक फिलिपिनो और एक श्रीलंकाई नागरिक घायल हुआ है। हमले में दो सऊदी नागरिक भी घायल हुए हैं।

यूक्रेन संकट: ब्रिटेन की विदेश मंत्री ने रूसी समकक्ष के साथ बैठक की

मॉस्को। यूक्रेन संकट में कमी लाने और कूटनीतिक रास्ता अपनाने पर जोर डालने के मद्देनजर चर्चा के लिए रूस पहुंची ब्रिटेन की विदेश मंत्री लिज ट्रूस ने बृहस्पतिवार को अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ बैठक की। रूस ने यूक्रेन की सीमा के पास 1,00,000 से अधिक सैनिकों की तैनाती के साथ ही इस क्षेत्र में सैन्य युद्धाभ्यास शुरू किया है। हालांकि, रूस का कहना है कि उसकी अपने पड़ोसी पर हमले की कोई योजना नहीं है। लिज ने एक बार फिर रूस को चेताया कि पड़ोसी यूक्रेन पर हमला करने के गंभीर परिणाम होंगे और इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने रूस से अनुरोध किया कि वह यूक्रेन की स्वतंत्रता एवं संप्रभुता का सम्मान करने के अपने अंतरराष्ट्रीय समझौते की प्रतिबद्धता का पालन करे। बैठक के दौरान कड़ा रुख अपनाने वाले लावरोव ने भी दो टूक कहा कि पश्चिमी देश मॉस्को को उपदेश नहीं दें। लावरोव ने कहा, वैचारिक दृष्टिकोण और अंतिम चेतावनी के रास्ते आगे नहीं बढ़ा जा सकता। बैठक के बाद ब्रिटिश विदेश मंत्री ने एक बार फिर आह्वान किया कि रूस अपने सैनिकों को वापस सैन्य अड्डों को भेजे। हालांकि, लावरोव ने इस मांग को अनुचित करार देते हुए खारिज कर दिया और पूर्वी यूरोप में जमे ब्रिटिश और नाटो सैनिकों की ओर उंगली उठायी। लावरोव ने कहा, रूसी क्षेत्र से रूस के सैनिकों को हटाने की मांग खेदजनक है। हम किसी को धमकाना नहीं चाहते बल्कि हम खुद खतरे का सामना कर रहे हैं। उन्होंने पश्चिमी नेताओं पर अपने देश में राजनीतिक लाभ लेने के लिए यूक्रेन के मामले पर हो-हल्ला खड़ा करने का आरोप लगाया।

पोप फ्रांसिस अप्रैल में माल्टा जाएंगे, कोविड के कारण 2020 में स्थगित हो गई थी उनकी यात्रा

रोम। पोप फ्रांसिस की इस साल पहली विदेश यात्रा भूमध्यसागरीय द्वीप देश माल्टा की होगी। वैटिकन ने बृहस्पतिवार को बताया कि पोप दो-तीन अप्रैल को द्वीप देश की यात्रा पर जाएंगे। गौरतलब है कि पोप को 2020 में ही माल्टा की यात्रा पर जाना था, लेकिन महामारी के कारण उसे स्थगित करना पड़ा। पचासी वर्षीय पोप फ्रांसिस मुख्य द्वीपीय शहरों वैलेटा, रबात और फ्लोरिआना के अलावा गोजो भी जाएंगे। यात्रा के संबंध में अन्य जानकारी बाद में जारी की जाएगी। माना जा रहा है कि फ्रांसिस की यात्रा का विषय आव्रजन होगा।

यूक्रेन में रह रहे अमेरिकनों को बाइडेन ने तुरंत देश छोड़ने को कहा, फिर बने जंग के हालात

वॉशिंगटन। यूक्रेन-रूस विवाद लगातार बढ़ रहा है इस मुद्दे पर अमेरिका और रूस के बीच भी तलवारें खिंच गई हैं। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अमेरिकी नागरिकों से यूक्रेन छोड़ने के लिए कहा है। बाइडेन ने लोगों को चेतावनी देते हुए कहा है कि चीजें जल्द ही बिगड़ सकती हैं। बाइडेन ने एक इंटरव्यू में कहा कि अमेरिकी नागरिकों को अब यूक्रेन छोड़ना चाहिए। बाइडेन ने कहा, हम दुनिया की सबसे बड़ी सेनाओं में से एक का सामना कर रहे हैं। यह एक अलग स्थिति है और चीजें बिगड़ सकती हैं। इतना ही नहीं बाइडेन ने एक बार फिर दोहराया कि वे किसी भी परिस्थिति में यूक्रेन में अमेरिकी सैनिकों को नहीं भेजेंगे, यहां तक कि रूसी आक्रमण में अमेरिकियों को बचाने के लिए भी। उन्होंने कहा, जब अमेरिकी और रूसी एक दूसरे पर फायरिंग करेंगे तो यह एक विश्व युद्ध होगा।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन (बाएं) बेल्जियम के ब्रुसेल्स में उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए।

घरेलू मुश्किलों ने जॉनसन की कूटनीतिक यात्रा के दौरान भी उनका पीछा नहीं छोड़ा

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन जब बृहस्पतिवार को बेल्जियम और पोलैंड की अपनी कूटनीटिक यात्रा पर पहुंचे तो भी घरेलू स्तर पर मौजूद मुश्किलों ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। इस यात्रा का मकसद रूस पर यूक्रेन के पास उसकी सैन्य तैनाती में कमी लाने का दबाव बनाना है। जॉनसन यूक्रेन में रूसी सैनिकों की तैनाती को लेकर नाटो का संकल्प प्रदर्शित करने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन, उन्हें लॉकडाउन का उल्लंघन करने वाली सरकारी पार्टियों को लेकर पुलिस की जांच से जुड़े सवालों का सामना करना पड़ा। इन पार्टियों ने सत्ता पर उनकी पकड़ को हिलाकर रख दिया है। पूर्व कंजर्वेटिव प्रधानमंत्री जॉन मेजर ने एक बहस के दौरान जॉनसन पर यह कहते हुए निशाना साधा कि सरकार नियमों और सच्चाई की अवहेलना कर लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा रही है और इससे दुनियाभर में ब्रिटेन की साख गिर रही है। लंदन में मेजर ने कहा, 'प्रधानमंत्री और अधिकारियों ने लॉकडाउन से जुड़े नियमों का उल्लंघन किया। उन्होंने बेशर्मी से बहाने दिए। जनता से हर रोज अविश्वसनीय चीजों पर विश्वास करने के लिए कहा गया।' मेजर ने आरोप लगाया कि जॉनसन और उनकी सरकार में शामिल लोगों का मानना था कि 'उन्हें और अकेले उन्हें ही नियमों का पालन करने की जरूरत नहीं है।' लंदन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस प्रधानमंत्री के 10 डाउनिंग स्ट्रीट कार्यालय और अन्य सरकारी भवनों में उस अवधि में आयोजित एक दर्जन पार्टियों की जांच कर रही है, जब ब्रिटेन कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए लागू प्रतिबंधों के अधीन था।

मुंबई और पठानकोट हमले के पीड़ितों को अब तक न्याय नहीं मिला : तिरुमूर्ति

जेनेवा (एजेंसी)

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक में भारत ने लंबे समय से सीमा पार से प्रायोजित आतंकवाद का दंश झेला है और पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों द्वारा अंजाम दिए गए 2008 के मुंबई आतंकी हमले तथा 2016 के पठानकोट आतंकी हमले के पीड़ितों को अभी तक न्याय नहीं मिला है। भारत के दूत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में यह कहा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने बुधवार को सुरक्षा परिषद में ह्यआतंकवादी कृत्यों के कारण अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतराह्न विषय पर भारत की इस दृढ़ मान्यता को दोहराया कि दुनिया के एक भी हिस्से में आतंकवाद यदि है, तो वह समूची दुनिया की शांति और सुरक्षा के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि एक ऐसे देश के रूप में जिसे 2008 के मुंबई आतंकी हमले और 2016 के पठानकोट आतंकी हमले सहित सीमा पार आतंकवाद का खामियाजा भुगतना पड़ा है, भारत आतंकवाद की मानवीय कीमत से अवगत है और इन आतंकी हमलों के साजिशकताओं को न्याय के कटघरे में लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा इन दोनों नृशंस हमलों के पीड़ितों को अभी तक न्याय नहीं मिला है। तिरुमूर्ति ने कहा आतंकी हमलों की निंदा करते हुए हमारी प्रतिक्रिया एकजुट और स्पष्ट होनी चाहिए। हमें इस तथ्य को नहीं भूलना चाहिए कि अमेरिका में हुए 11 सितंबर के हमलों के 20 साल बाद भी ऐसे नेता हैं, जो बिना किसी पछतावे के ओसामा बिन लादेन का, एक शहीद के रूप में बचाव करना जारी रखते हैं। तिरुमूर्ति का इशारा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की ओर था, जिन्होंने मारे गए अलकायदा प्रमुख को शहीद बताया था।
आईएसआईएल-दाएश के खतरों के संबंध में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस की 14वीं रिपोर्ट पर तिरुमूर्ति ने उन सभी पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की, जिन्होंने अफगानिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, सीरिया, कांगो और युगांडा में हाल के आतंकवादी हमलों में अपने प्रियजनों को खो दिया। तिरुमूर्ति ने परिषद के समक्ष कहा कि आतंकवाद हर किसी को प्रभावित करता है, चाहे वह किसी भी स्थान या मूल का हो। उन्होंने कहा दुर्भाग्य से, आतंकी कृत्यों के पीछे की मंशा के आधार पर आतंकवाद से निपटने की दोषपूर्ण मानसिकता से बाहर आने में लंबा वक्त लगा। उन्होंने कहा हमने हाल में अपने क्षेत्र में और अब संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब में ड्रोन के माध्यम से आतंकवादी हमले देखे हैं, जिनकी सुरक्षा परिषद ने कड़ी निंदा की है। हाल में परिषद के प्रस्ताव 2617 में मानव रहित विमान प्रणालियों द्वारा उत्पन्न इस खतरे पर ध्यान दिलाया गया है। हमें इन खतरों से निपटने के लिए उपयुक्त समाधान विकसित करने और वैश्विक मानकों को विकसित करने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है।

पाक-चीन संयुक्त बयान पर भारत के बयान को पाकिस्तान ने किया खारिज

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान ने इस हफ्ते अपने प्रधानमंत्री इमरान खान की चीन यात्रा के अंत में जारी पाक-चीन संयुक्त बयान पर भारत के एतराज को अवांछित करार देते हुए बृहस्पतिवार को इसे खारिज कर दिया। गौरतलब है कि भारत ने संयुक्त बयान में जम्मू कश्मीर और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से होकर गुजरने वाले एक आर्थिक गलियारा के जिक्र को बुधवार को सिरे से खारिज कर दिया था। नयी दिल्ली ने कहा था कि क्षेत्र और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख, भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा' थे, हैं और सदा रहेंगे।' चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) के संदर्भ में नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत ने इन परियोजनाओं पर अपनी चिंताओं से निरंतर ही चीन और पाकिस्तान को अवगत कराया है।
उन्होंने कहा, 'हमने हमेशा ही इस तरह के जिक्र को खारिज किया है और हमारा रुख चीन तथा पाकिस्तान को बखूबी पता है। इस मामले में भी हम संयुक्त बयान में जम्मू कश्मीर के जिक्र को खारिज करते हैं।' पाक विदेश कार्यालय ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा, ह्यहमपाकिस्तान ने भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की अवांछित टिप्पणी को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है।' विदेश कार्यालय ने आरोप लगाया कि सरकार विरोधी तत्वों का समर्थन कर बलूचिस्तान में अशांति पैदा करने की हालिया कोशिशों में भारत की संलिप्तता के पुख्ता सबूत हैं। इसने यह भी कहा कि पाकिस्तान कश्मीरियों के न्यायोचित संघर्ष में उनकी हरसंभव मदद करना जारी रखेगा।

अमेरिका ने इंडोनेशिया को लगभग 14 अरब डॉलर के हथियारों की बिक्री की मंजूरी दी

वाशिंगटन। (एजेंसी)

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने बृहस्पतिवार को इंडोनेशिया को लगभग 14 अरब डॉलर के हथियारों की बिक्री की मंजूरी दे दी। हिंद-प्रशांत में चीन की बढ़ते वर्चस्व को रोकने के लिए अमेरिका लगातार कदम उठा रहा है और यह भी उसी का हिस्सा है। विदेश मंत्रालय ने उन्नत लड़ाकू विमानों की 13.9 अरब डॉलर की बिक्री की घोषणा की। वहीं, विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ऑस्ट्रेलिया की यात्रा पर हैं, जिसका उद्देश्य रूस और यूक्रेन के बीच के घटनाक्रमों के बावजूद चीन को प्रशांत क्षेत्र में मुक्त नियंत्रण की अनुमति नहीं देने के अमेरिका के दृढ़ संकल्प को रेखांकित करना है।
मंत्रालय के अनुसार, इंडोनेशिया को 36 एफ-15 फाइटर जेट, इंजन और संबंधित उपकरणों की बिक्री की मंजूरी दी गई है, जिसमें युद्ध सामग्री और संचार प्रणाली शामिल हैं। दिसंबर के मध्य में ब्लिंकन की जकार्ता की यात्रा के बाद यह समझौता किया गया। ब्लिंकन ने उस समय मानवाधिकारों संबंधी चिंताओं के बावजूद अमेरिका-इंडोनेशिया के करीबी संबंधों की सराहना की थी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'यह प्रस्तावित बिक्री एशिया-प्रशांत क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय भागीदार की सुरक्षा में सुधार करके अमेरिका की विदेश नीति के लक्ष्यों और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगी।'
मंत्रालयने कहा, 'एक मजबूत एवं प्रभावी आत्मरक्षा क्षमता विकसित करने और इसे बनाए रखने में इंडोनेशिया की सहायता करना अमेरिका के राष्ट्रीय हितों के लिए महत्वपूर्ण है।' बयान में चीन का कोई उल्लेख नहीं किया गया है, लेकिन लगातार अमेरिकी प्रशासन ने दक्षिण चीन सागर और प्रशांत क्षेत्र में अन्य जगहों पर अपने प्रभाव को बढ़ावा देने के चीन के प्रयासों को रोकने के अभियान में दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम लोकतंत्र इंडोनेशिया को शामिल करने की मांग की गई है।

तानाशाह किम जोंग और डोनाल?ड ट्रंप का ए?यार चढ़ा परवान, एक-दूसरे को भेजते हैं लेटर

वाशिंगटन। (एजेंसी)

उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण से पहले ही अमेरिका के साथ तनाव बढ़ा हुआ है। बता दें कि, जो बाइडेन के अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यभार संभालने के बाद से उत्तर कोरिया ने कई शक्तिशाली मिसाइल का परिक्षण कर लिया है इससे पहले उत्तर कोरिया ने 2017 में तीन अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था, जो अमेरिका के भीतर तक मार करने में सक्षम हैं। दो देशों में भरपूर तनाव के बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसा दावा किया है जिसे शादय ही सच माना जा सकता है। ट्रंप का दावा है कि, उनके सत्ता से हटने के बाद भी तानाशाह किम जोंग से बातचीत होती रहती है।
एकमात्र विदेशी नेता जिसके साथ उनका अभी भी संपर्क
मैगी हैबरमैन नके मुताबिक, ट्रंप ने दावा किया है कि, वह एकमात्र ऐसे विदेशी नेता है जिनका किम जोंग के साथ अभी भी संपर्क बना हुआ है। वहीं, अमेरिका के विदेश विभाग ने जिसका नाम है 'द कॉन्फिडेंस मैन' और इसी किताब में किम और ट्रंप के रिश्तों का खुलासा किया गया है।
साल 2018 में डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया था, वह और किम जोंग के बीच पत्रों का आदान प्रदान होता रहता है और इससे दोनों एक प्यार में आ गए।बता दें कि, डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे के बाद से दुनिभार में चर्चा भी हुई थी। हालांकि ट्रंप और किम की तीन मुलाकात के बावजूद अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति उत्तर कोरिया और तानाशाह नेता किम जोंग को मिसाइल परीक्षण और परमाणु बम छोड़ने के लिए मना नहीं पाए थे। मैगी हैबरमैन ने कहा कि, ट्रंप द्वारा की जा रही इस दावे की पुष्टि नहीं की जा सकती है और यह सच नहीं भी हो सकता है।
ट्रंप के इस दावे पर अब कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। वहीं अमेरिकी राष?ट्रपति कार्यालय वाइट हाउस ने भी अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है। उल्लेखनीय है कि, द वाशिंगटन पोस्ट के संपादक व खोजी पत्रकार बॉब वुडवर्ड की किताब रेज में भी ट्रंप ने दावा किया है कि, किम जोंग उन ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति को अपने फूफा की हत्या का किस्सा बताया था। बता दें कि, साल 2013 में तानाशाद किम जोंग के फूफा जांग सांग थायक उत्तर कोरिया के सबसे ताकतवर नेता थे। ट्रंप ने यह भी दावा किया है कि, कुछ साल पहले जब किम जोंग उनसे मिले तो दोनों के बीच काफी गर्मजोशी के साथ बात हुई थी। ट्रंप ने किताब के लेखक को यह भी बताया था कि, किम जोंग ने उन्हें हर चीज बताते है। यहां तक की, किम ने यह भी बताया कि, उसने अपने फूफा की हत्या की थी और कदमों में उनका शरीर रखा दिया था फिर छाती पर बैठकर उनका सिर काटा था।

खगोल वैज्ञानिकों ने एक मृत ग्रह को डेड स्टार की सतह पर गिरते देखा

सौर मंडल के अंत से जुड़े रहस्य का होगा पदार्फाश

वॉशिंगटन (एजेंसी)

ब्रह्मांड़ में होती खगोल घटनाएं वैज्ञानिकों के लिए जिज्ञासा का विषय होती है। ताजा घटना में खगोल वैज्ञानिक ने एक मृत ग्रह को डेड स्टार की सतह पर गिरते हुए देखा है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इससे सौर मंडल के अंत से जुड़े रहस्यों का पदार्फाश हो सकता है। दशकों से वैज्ञानिकों के मन में सवाल उठते रहे हैं कि सौर मंडल का अंत कैसे होगा। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि सभी ग्रह अपनी उम्र को पूरा करने के बाद सूर्य या अपने नजदीक स्थित ज्यादा गुरुत्वाकर्षण वाले तारे में समा जाएंगे। इस घटना को अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के चंद्र एक्स-रे ऑब्जर्वेटरी ने रिकॉर्ड किया है। इस घटना का जिक्र नासा के रिसर्चर्स ने प्रसिद्ध साइंस मैगजीन नेचर में प्रकाशित एक अध्ययन में किया है। यूके में यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक में पोस्टडॉक्टरल फेलो और इस स्टडी के लीड राइटर टिम कनिंघम ने घटना से जुड़े ब्योरे को सार्वजनिक किया है। उन्होंने कहा कि हमें पहली बार सबूत मिला है कि वाइट ड्वार्फ तारा वर्तमान में पुराने ग्रह प्रणालियों के अवशेषों को जमा कर रहे हैं। इस तरह के सबूत से हमें अपने सौर मंडल सहित हजारों ज्ञात एक्सोप्लैनेटरी सिस्टम के संभावित भाग्य की एक झलक मिल सकती है।
वैज्ञानिकों ने बताया कि मिल्की वे के सभी सितारों में से लगभग 97 फीसदी अपने जीवन के अंतिम क्षण में वाइट ड्वार्फ तारे में बदल जाएंगे। वाइट ड्वार्फ पृथ्वी के जितने छोटे आकार में सूरज के जितना द्रव्यमान (मास) रख सकते हैं। माना जाता है के जिन तारों में इतना द्रव्यमान नहीं होता के वे आगे चलकर अपना इंधन खत्म हो जाने पर न्यूट्रॉन तारा बन सकें, वे सारे वाइट ड्वार्फ बन जाते हैं। सूर्य के द्रव्यमान से 10 गुना बड़े तारे अपने जीवन के अंत में एक हिंसक सुपरनोवा का शिकार होते हैं। ये तारे तब बनते हैं, जब वे अपने हाइड्रोजन को पूर्ण रूप से जला देते हैं। यह हाइड्रोजन की तारे को ईंधन देता है। कुछ ऐसी ही घटना 5 अरब साल बाद हमारे सूर्य के साथ भी होनी तय है। ईंधन खत्म होने के बाद इन तारों से लाल लपटें काफी दूर तर सफर करती हैं। इन तारों का कोर तब भी बहुत गर्म होता है जो बौने तारे के नाम से जाना जाता है।

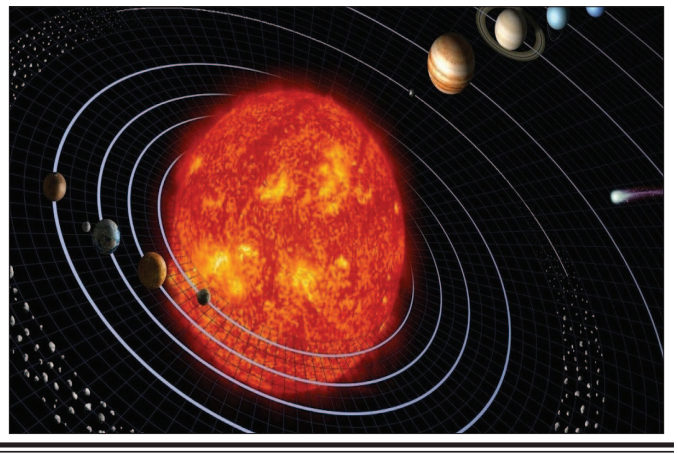

सुविचार — मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है - चाणक्य

संपादकीय

हताशा का आत्मघात

देश की संसद में सरकार द्वारा पेश किया गया यह आंकड़ा विचलित करता है कि पिछले तीन सालों में बेरोजगारी व कर्ज के चलते 26 हजार लोगों ने मौत को गले लगा लिया। निस्संदेह, यह महज सरकारी आंकड़ा है लेकिन इस समस्या के मूल में जाने की जरूरत है। यूं तो बेरोजगारी हमारी अर्थव्यवस्था का सनातन संकट है लेकिन कोरोना महामारी ने इस संकट में ईंधन का काम किया है। विपक्ष लगातार बेरोजगारी के संकट के लिए सरकार की घेराबंदी करता रहा है। आरोप है कि देश में बेरोजगारी का आंकड़ा पिछले पांच दशक में सर्वाधिक है। पिछले दिनों बजट सत्र में चर्चा के दौरान राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए गृह राज्य मंत्री ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित जवाब में जानकारी दी थी कि बेरोजगारी व कर्ज के चलते तीन साल में 26 हजार लोगों ने आत्महत्या कर ली। यहां तक कि महामारी के पहले वर्ष 2020 में बेरोजगारों की आत्महत्या का आंकड़ा तीन हजार पार चला गया। इस दौरान बेरोजगारी के चलते 3,548 लोगों ने आत्महत्या की। जबकि वर्ष 2019 में 2,851 और 2018 में 2,741 लोगों ने बेरोजगारी के कारण आत्महत्या कर ली। वहीं दूसरी ओर, सरकार ने बताया कि वर्ष 2018 से 2020 के बीच 16,000 से अधिक लोगों ने दिवालियेपन या कर्ज में डूबने के कारण आत्महत्या की। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के अनुसार, वर्ष 2020 में 5,213 लोगों, 2019 में 5,908 और 2018 में 4,970 लोगों ने आत्महत्या कर ली। निस्संदेह, बेरोजगारी और आर्थिक संकट के चलते आत्महत्या करने के आंकड़े का बढ़ना समाज विज्ञानियों के लिये चिंता का विषय होना चाहिए। यही वजह है कि विपक्ष लगातार इस मुद्दे पर सरकार पर हमले करता रहा है। वहीं दूसरी ओर, राजग सरकार के कार्यकाल 2014-2020 के बीच बेरोजगारों के खुदकुशी के 18,772 मामले दर्ज किये गये, जो हर साल औसतन ढाई हजार से अधिक बैठते हैं। कमोबेश ऐसी ही स्थिति यूपीए सरकार के दौरान सात साल के आंकड़ों में सामने आती है। बताया जाता है कि वर्ष 2007 से 2013 के बीच बेरोजगारी के कारण आत्महत्या करने के 15,322 मामले प्रकाश में आये थे। इस दौरान हर साल आत्महत्या का औसतन आंकड़ा दो हजार से अधिक ही था। हालांकि लोकसभा में राहुल गांधी बेरोजगारी का मुद्दा लगातार उठाते रहते हैं। उनकी दलील है कि वर्तमान में बेरोजगारी की दर पिछले पचास सालों में सर्वाधिक है। वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने लोकसभा में कहा था कि देश में मौजूदा बेरोजगारी की दर बांग्लादेश की तुलना में तेजी से बढ़ी है। बहरहाल, देश में बढ़ता बेरोजगारी संकट एक बड़े संकट की आहट की तरह भी है जो कालांतर में सामाजिक असंतोष का वाहक बन सकता है। सार्वजनिक मंचों से लगातार कहा जाता रहा है कि भारत युवाओं का देश है, लेकिन नीति-नियंताओं से सवाल किया जाना चाहिए कि हम ऐसा कारगर तंत्र क्यों विकसित नहीं कर पाये हैं जो हर हाथ को काम दे सके। निस्संदेह, हमारी शिक्षा प्रणाली में भी खोट है, जो बाबू तो बनाती है लेकिन कामकाजी हुनर के मामले में दुनिया से पीछे है। देश में व्याप्त भ्रष्टाचार, आर्थिक असमानता, राजनीतिक विद्रूपता तथा बढ़ती जनसंख्या जैसे कई कारक बढ़ती बेरोजगारी के मूल में हैं, लेकिन देश को इस संकट से उबारना सरकारों का प्राथमिक दायित्व होना चाहिए। हर चुनाव आने पर लाखों-करोड़ों नौकरी देने का वादा तो जोर-शोर से सामने आता है, लेकिन चुनाव के बाद पांच साल तक मुद्दा ठंडे बस्ते में चला जाता है।

आज के कार्टुन

ईश्वर की समीपता

श्रीराम शर्मा आचार्य

ईश्वर हमारे सबसे अधिक समीप है। संसार का कोई पदार्थ या व्यक्ति जितना समीप हो सकता है, उसकी अपेक्षा ईश्वर की निकटता और भी अधिक है। वह हमारी सांस के साथ प्रवेश करता है और समस्त अंग-अवयवों में प्राणवायु के रूप में जीवन का अनुदान प्रतिक्षण प्रदान करता है। यदि इसमें क्षणभर का भी व्यवधान उत्पन्न हो जाय तो मरण निश्चित है। संभावित सोलह हजार नाड़ियों के साथ वही कृष्ण रमण करता है। मांसपेशियों के आकुंचन-प्रकुंचन में गुदगुदी उसी के द्वारा उत्पन्न की जाती है। अन्तःकरण में उसी का गीता प्रवचन निरन्तर चलता है। ज्ञान-विज्ञान की विशालकाय पाठशाला उसी ने हमारे मस्तिष्क में चला रखी है। जीवकोषों के भीतर चलने वाली गतिविधियों का सूक्ष्म उपकरणों से निरीक्षण किया जाए, तो पता लगेगा कि समस्त ब्रह्माण्ड के विशाल परिकर में जो हलचलें हो रही हैं, वे सभी बीज रूप से इन नन्हीं सी कोशिकाओं में गतिशील हैं। 'जो ब्रह्माण्ड में, सो पिण्ड में' वाली उक्ति अब किंवदंती नहीं रही। अब उसकी पुष्टि एक सुनिश्चित सच्चाई के रूप में हो चुकी है। मनुष्य का व्यक्तित्व वस्तुतः विराट् ब्रह्मा का एक संक्षिप्त संस्करण है। पर वह मनुष्य का शरीर धारण करके अवतार लेता रहता है, यह सत्य है। इसी प्रकार यह भी एक स्वतःसिद्ध सच्चाई है कि मनुष्य अपने चरम विकास की स्थिति में पहुंचकर परमेर बन सकता है। मानवी संरचना कुछ है ही ऐसी अद्भुत की उसमें ईश्वर की समग्र सत्ता की अनुभूति कर सकना सर्वथा सम्भव है। इतना सब होते हुए भी हम ईश्वर से अरबों-खरबों मील दूर हैं। उसकी समीपता की अनुभूति के साथ-साथ जिस परम सन्तोष और परम आनन्द का अनुभव होना चाहिए, वह कभी हुआ ही नहीं। ईश्वर की समीपता को जीवन मुक्ति भी कहते हैं। उस स्थिति को सालोक्य, सामीप्य, सारूप्य, सयुज्य, इन चार रूपों में वर्णन किया गया है। ईश्वर के लोक में रहना, उसके समीप रहना, उस जैसा रूप होना, उसमें समाविष्ट हो जाना, यह चारों ही अवस्थाएं उस स्थिति की ओर संकेत करती हैं, जिसमें मनुष्य की भीतरी चेतना और बाहरी क्रिया उतनी उत्कृष्ट बन जाती है जितनी कि ईश्वर की होती है। अपनी चेतना सत्ता को ईश्वरीय चेतना में घुला देने में किसे कितनी सफलता मिली, इसका परिचय उसके चिन्तन और कर्तृत्व का स्तर परख कर सहज ही प्राप्त किया जा सकता है।

प्राकृतिक आपदाओं की भेंट चढ़ते जवान

– प्रभुनाथ शुक्ल

अरुणाचल प्रदेश के कामेंग इलाके में हिमस्खलन की वजह से सेना के सात जवान शहीद हो गए। जवानों की शहादत उस स्थान पर हुई जहां हमारे देश की सीमा चीन से लगती है। प्राकृतिक आपदाओं में सेना के जवानों की शहादत हमारे लिए बड़ा सवाल है। गृह और रक्षा मंत्रालय को एक साथ मिलकर प्राकृतिक आपदाओं में जवानों की शहादत को रोकना चाहिए। भू और मौसम वैज्ञानिकों के साथ सेना की तकनीकी विभाग को मिलकर इस प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए रणनीति बनानी चाहिए। क्योंकि बर्फ़ीले तूफान की भेंट चढ़कर अब तक एक हजार से अधिक जवान शहीद हो चुके हैं। मौसम की गड़बड़ी की वजह से सेना के जवानों को एयरलिफ्ट नहीं किया जा सका। भारी हिमस्खलन होने से सभी सात जवान शहीद हो गए। एवलॉन्च और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएं कोई नयी नहीं है। हमारे जवान दुर्गम पहड़ी इलाकों में हजारों फीट की ऊचाई पर देश की रक्षा करते हैं। सेना की शहादत और पराक्रम को भूनाने वाली सरकारों को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। पूरा देश भारतीय जवानों पर गर्व करता। हम बर्फ़ीली ठंड में जब कमरों में वार्मर लगा कर राजाई में गहरी नींद लेते हैं तो हमारा जवान एवलांच और हिमस्खलन जैसी प्रकृतिक आपदा में शहीद होता है।अनावश्यक किसी जवान की शहादत से राष्ट्र को भारी क्षति पहुंचाती है। शहादत की कीमत आम भारतीय परिवार किस तरह चुकाता है, इसकी पीड़ा कोई उसी से पूछे जिनके सपने और उम्मीदें लुट जाती हैं। 'ऐ मेरे वतन के लोगों, जरा आंख में भर लो पानी, जो शहीद हुए हैं उनकी जरा याद करो कुबार्नी..'स्वर कोकिला लता जी अब हमारे बीच नहीं रहीं। यह अमर गीत लिखने वाले कवि प्रदीप भी नहीं हैं, लेकिन लता और प्रदीप जी अमर हो गए। इस गीत को सुनकर हर भारतीय के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। शहीदों के सम्मान में आँसू निकल आते हैं। सीना गर्व से फूल उठता है। उसके अंदर एक सैनिक का जज्बा जाग उठता है। लेकिन सेना के लिए हमारी चिंता कितनी है सवाल इस बात का भी है। आपको याद होगा 2017 में श्रीनगर के गुरेज सेक्टर में एवलांच यानी बर्फीले तूफान में 15 जवानों की मौत ने देश को हिलाकर रख दिया। एवलांच मौत की सुनामी बन कर आया था। हमने अपने जाबाज जवानों को बेमतलब खो दिया था। जवान दुश्मन के खिलाफ जंग लड़ते नहीं प्राकृतिक कहर में मारे गए। वह भी जिस चौकी पर जवान शहीद हुए वह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण थी। कुछ ऐसा ही अरुणाचल प्रदेश के कामेंग इलाके में हिमस्खलन की वजह से हुआ। हमारे सैनिक प्राकृतिक आपदा का शिकार क्यों होते हैं।क्या हमारे पड़ोसी मुल्क चीन, अमेरिका और रूस के जवान भी बर्फीली सीमा पर इस तरह शहीद होते हैं। अगर नहीं तो हमने क्या इस बारे में कभी सोचा? जवानों की सुरक्षा के लिए हमने कोई तंत्र अब तक क्यों नहीं विकसित किया? सिर्फ जवानों की शहादत पर घड़ियाली आंसू बहाने से क्या हम जिम्मेदारियों से बच सकते हैं। सरकारों को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। फरवरी 2016 में भी हमारे 10 जवान इसी तरह शहीद हुए थे, जिसमें मेजर हनुमनथप्पा भी शामिल थे, जिन्हें कई दिन बाद बर्फ से बाहर निकाला गया, लेकिन हम उन्हें बचा नहीं पाए। हिमालय की पर्वत श्रृंखलाओं में एवलांच यानी बर्फीला तूफान और हिमस्खलन ठंड के मौसम में समान्य घटना है। हजारों फीट ऊंची पर्वत श्रृंखलाओं पर बर्फीले तूफान की वजह से मोटी परत जम जाती है। अधिक दबाब की वजह से जब यह नीचे आती है तो इसे एवलांच कहा जाता है। इसकी गति सीमा 100 से 150 किमी प्रतिघंटा की होती है, जिसकी हम कल्पना तक नहीं कर सकते। हिमालयी इलाकों में सीमा की सुरक्षा बेहद खतरनाक है। जवानों का एक-एक कदम जोखिम भरा होता है। यंत्रों के माध्यम से जांच परख के बाद वह अपना कदम बढ़ाते हैं। एक-दूसरे के साथ रस्सियों के सहारे आपस में बंधे होते हैं। ऑक्सीजन कम होने से सांस लेना भी मुश्किल होता है। बर्फीली गर्तो में समाने का डर हमेशा बना रहता है। वहां तापमान माइनस से कई डिग्री नीचे रहता है। सफेद बर्फ पर जब सूरज की रौशनी पड़ती है तो उससे आंखों की रौशनी जाने का भी खतरा बना रहता है। इसीलिए जवान विशेष प्रकार का चश्मा पहनते हैं। एवलांच और हिमस्खलन से जवानों को कैसे सुरक्षित रखा जाए अभी तक इसकी तकनीक विकसित नहीं हो पाई है। यह हमारे सिस्टम की सबसे बड़ी नाकामी है। इस पर कभी विचार नहीं किया गया कि एवलांच जैसे बर्फीले तूफान से सीमा पर तैनात जवानों को कैसे बचाया जाए। हम मंगल ग्रह पर सिर्फ तीन साल में उपग्रह भेज कर अपनी कामयाबी का झंडा बुलंद कर सकते हैं। मिसाइल तकनीक में दुनिया में भारत का लोहा मनवा सकते हैं, लेकिन जवानों की सुरक्षा के लिए वैज्ञानिक कसौटी पर खरा सुरक्षा

कवच नहीं तैयार कर सकते। आखिर क्यों? डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट आर्गनाइजेशन यानी डीआरडीओ ने 2004 में (डब्लूपीएमएस) नामक सिस्टम विकसित करने की प्लानिंग बनाई थी। जिसे वैरियबल साइकोलॉजिकल मॉनिटरिंग सिस्टम का नाम दिया था। संक्षिप्त में उसे स्मार्ट वेस्ट भी कहा गया। इस तकनीक के माध्यम से बर्फीली सीमा पर तैनात जवानों को एक सेंसर लगी जैकेट दी जाती। उस सेंसर के जरिए जवानों की पूरी लोकेशन और स्वास्थ्य की जानकारी कमांडिंग कंट्रोल कैंप को मिलती रहती। संयोग से अगर जवानों की टीम हिमस्खलन या बर्फीले तूफान में फंस गयी तो सेंसर के जरिए वह जानकारी बेसकैंप तक पहुंच जाती, जिससे पूरी यूनिट सतर्क हो जाती और फंसे जवान को सुरक्षित निकालने का प्रसास किया जाता। लेकिन अभी तक यह सुविधा सेना को उपलब्ध हुई या नहीं यह हम नहीं कह सकते। वैसे वर्तमान सरकार सेना के तकनीकी विकास, सुरक्षा और उनकी सुविधाओं को लेकर अधिक संवेदनशील है, लेकिन सेना प्राकृतिक आपदाओं से बचाने के लिए बहुत कुछ करना है। सेना के संपूर्ण विकास और उसकी सुरक्षा के लिए अलग से रणनीति बननी चाहिए। रक्षा और गृहमंत्रालय को इस पर त्वरित नीतिगत फैसले की जरूरत है।भारतीय सेना प्राकृतिक विषमताओं वाले दुर्गम इलाकों में काम करती है, जिससे उसके स्वास्थ्य और सुरक्षा का मसला हमेशा खड़ा रहता है। सेना के लिए एक खास वैज्ञानिक और तकनीकी यूनिट का विकास होना चाहिए, जिसका काम सिर्फ सेना की सुरक्षा और उसकी तकनीकी सुविधाओं का ख्याल रखे।

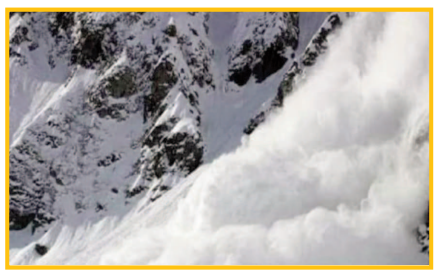

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

126 साल की उम्र में एक योगी की प्रतिष्ठा

अरुण नैथानी

भारतीय प्राच्य ग्रंथों में इंसान के सौ साल के जीवन की कामना की गई है, जिसे पाना सौभाग्य माना जाता रहा है। सौ से पार जाना तो अचरज ही माना जाता है। लेकिन जब कहा जाये कि कोई 126 साल का व्यक्ति ब्रह्ममुहूत में योग करता हो, स्वस्थ हो तो दुनिया का चौंकना स्वाभाविक है। हर कोई उनकी उम्र को संदेह की दृष्टि से देखता है। यूं तो भारतीय पौराणिक ग्रंथों में योगी पुरुषों के सैकड़ों वर्ष जीने की किंवदंतियां हैं, लेकिन विज्ञान ने सवाल उठाये हैं। निस्संदेह, जब चालीस-पचास की उम्र पर बीमारियों का पहरा होने लगे तब 126 वर्ष स्वस्थ व्यक्ति का होना सचमुच अचरज भरा है। सचेतन व स्वस्थ जीवन जीते उत्तर प्रदेश के बनारस में रहने वाले शिवानंद बाबा पिछले दिनों तब सुर्खियों में आये जब उन्हें चौथा बड़ा नागरिक सम्मान पद्मश्री देने की घोषणा हुई। यूं तो अब तक वे योग की परंपरा के अनुरूप प्रचार से बचते रहे हैं। पहली बार वे तब चर्चा में आए जब योग प्रेमी अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने योग के गुर सीखने के बाद सोशल मीडिया पर उनका जिक्र किया। ऐसा नहीं है कि बाबा शिवानंद की उम्र का आंकड़ा कपोल-कल्पित हो, जैसे कि पुराने जमाने में जन्म का कोई ठोस प्रामाणिक दस्तावेज नहीं होता था। बाबा के पास बाकायदा आधार कार्ड और पासपोर्ट भी है। वे कई यूरोपीय देशों की सैर कर चुके हैं। एयर पोर्ट पर लोग चौंकते रहे हैं कि इतनी उम्र का आदमी बिना किसी सहारे के चल-फिर रहा है। बाबा तब भी चर्चा में आये थे जब उन्होंने कोरोना के दोनों टीके लगवाये थे। स्वास्थ्यकर्मी पंजीकरण के वक्त उनकी उम्र को देखकर चौंके। तब वे उन सबको आशीर्वाद देकर लौटे थे।बाबा का आरंभिक जीवन बेहद कष्टों भरा रहा है। वे अविभाजित बंगाल में जन्मे थे। बाबा शिवानंद का जन्म वर्तमान बांग्लादेश स्थित श्रीहट्टी जनपद में 8 अगस्त, 1896 में हुआ था। इस तिथि के हिसाब से तो वे दुनिया के सबसे वृद्ध व्यक्ति बनते हैं। लेकिन गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में रिकॉर्ड जापान के चित्तेसु वतनबे के नाम दर्ज है, जिनकी उम्र 122 साल बैठती है। शायद गुमनामी का जीवन जीने वाले शिवानंद ने रिकॉर्ड के बारे में कभी सोचा ही नहीं। भिक्षाटन से जीवन-यापन करने वाले परिवार में जन्मे शिवानंद का बचपन कष्टों से भरा रहा। बताते हैं उनके माता-पिता की मृत्यु भूख से हुई, जिसके बाद उन्होंने आधा पेट भोजन लेने का संकल्प लिया और जीवनपर्यंत निभाया। उनकी सोच है कि दुनिया में तमाम लोगों को खाने के लिये भोजन नहीं मिलता, सो उन्होंने दूध-फल का भी त्याग किया। बचपन में अथाह गरीबी के चलते छह वर्ष की उम्र में माता-पिता ने बंगाल के नवदीप में एक गुरु के यहां उन्हें छोड़ दिया। वर्ष 1903 में जब वे अपने गांव पहुंचे तो पता चला कि भूख से माता-पिता व बहन की मृत्यु हो गई है। कालांतर में उन्होंने वर्ष 1907 में गुरु ओंकारानंद गोस्वामी से दीक्षा ली। बाद में गुरु की मृत्यु के बाद वे वर्ष 1977 में वृंदावन आ गये। फिर 1979 में काशी में बस गये। वर्ष 1925 में गुरु के निर्देश पर वे दुनिया भ्रमण पर निकले और तीन दशक देश-विदेश के स्थानों का भ्रमण किया। बताते हैं कि वे आस्ट्रेलिया, अमेरिका, जर्मनी व हंगरी की यात्रा भी कर चुके हैं। वास्तव में शिवानंद एक आध्यात्मिक व्यक्ति हैं। योग-धर्म के बारे में उनकी जानकारी गहरी है। वे काशी को पवित्र भूमि व तपोभूमि भी मानते हैं। गरीबों के प्रति उनका आत्मीय भाव सदा रहा है और उनकी मदद करने में उन्हें सुकून मिलता है। शायद बचपन में जब माता-पिता ने अकाल मृत्यु का वरण किया होगा तो जरूर कहा होगा कि हमारी उम्र बेटे को लग जाये। शायद तभी 126 साल की उम्र में वे एक सामान्य व्यक्ति का जीवन जीते हैं। दुनियावी चमक-दमक से दूर सात्विक जीवन जीने वाले बाबा पूरी तरह से स्वस्थ हैं। उनकी दिनचर्या भोर में तीन बजे उठकर शुरू होती है। वे रोज एक घंटा योग करते हैं। फिर भगवत गीता व मां चंडी के श्लोकों का पाठ करते हैं। छत से 18 सीढ़ियां रोज उतरते हैं, करीब तीन-चार किलोमीटर रोज टहलते भी हैं। फिर रात्रि आठ बजे सो जाते हैं। वे तला-भुना नहीं, सिर्फ उबला खाते हैं। खाने में चावल, दो रोटी, उबली हरी सब्जियां खाते हैं। भोजन में सेंधा नमक हल्का इस्तेमाल करते हैं। घी-तेल का प्रयोग नहीं करते। कभी ओवर डाइट नहीं लेते। बाबा शिवानंद पद्मश्री हासिल करके खुश हैं क्योंकि इससे योग को दुनिया में प्रतिष्ठा मिलेगी। बाबा योग का अच्छा ज्ञान रखते हैं। ईश्वर भक्ति में लीन रहते हुए सात्विक जीवन जीते हैं। वे कहते हैं कि हर व्यक्ति को स्वस्थ रहने के लिये योग करना चाहिए। योग की ताकत ने कोरोना संकट में लाखों लोगों की मदद की। बाबा बेहद अनुशासित जीवन जीते हैं। वे बताते हैं कि शुद्ध-शाकाहारी भोजन से वे पूरी तरह स्वस्थ हैं। वे दुनिया की चकाचौंध से दूर रहते हैं। लेकिन संयोग देखिये कि ग्लैमर की दुनिया की ही शिल्पा शेट्टी उन्हें चकाचौंध की दुनिया से रूबरू करा गईं। बाबा कभी स्कूल नहीं गये, लेकिन हिंदी, अंग्रेजी व बांग्ला का उच्चारण कर लेते हैं। उनके अनुयायी देश के महानगरों तथा विदेशों में भी हैं। देश के कई नामी अस्पतालों के डॉक्टर मेडिकल टेस्ट के जरिये उनकी उम्र का राज़ जानने की कोशिश करते रहे हैं। उनका यही संदेश है कि लोग जीने की पद्धति बदलें, जंक फूड से बचें, ऑयली भोजन से परहेज करें तथा योग करें।

सू-दोकू नवताल -2043

6	3	7	2		5		8	9
		4	3		6		2	
		1			8	7		6
3			5					
7	2			8			5	3
					2			7
5		6	8			3		
	4		1		3	9		
1	9		7		4	2	6	8

सू-दोकू -2042 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

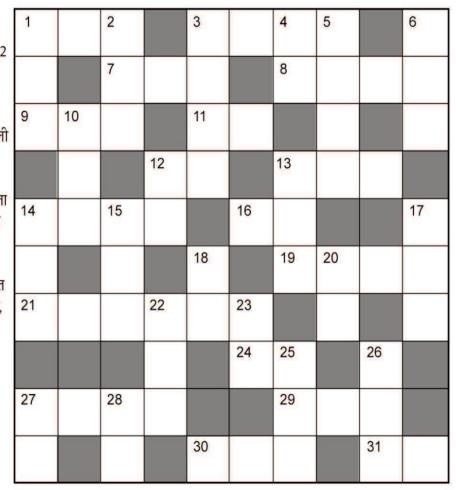

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2043

बायें से दायें:-

1. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-3
3. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-4
7. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-3
8. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-4
9. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-2,1
11. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-2
12. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-2
13. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-3
14. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-4
16. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-2
19. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-4
21. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-3,1,2
24. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-2
27. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-4
29. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-3
30. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-3
31. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-3
2. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-2,1
3. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-4
4. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-2
5. 1994 में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-4
6. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-3
10. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-3
12. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-2
13. राजकुमार, मीना की फिल्म-3
14. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-3
15. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-3
17. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-3
18. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-2
20. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-2
22. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-3
23. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-2
25. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-3
26. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-3
27. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-2
28. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2042

कम पानी में भी हो सकती है धान की अच्छी पैदावार

टैंसो मीटर से धान की खेती में पानी की बचत

सूखा प्रतिरोधी धान की खेती करना अब मुमकिन हो गया है। शुक्र है कि गेहूं की तरह अब चावल उगाने के लिए तकनीक उपलब्ध हो गई है। इसका मतलब यह हुआ कि धान के खेत को हमेशा पानी से भरा हुआ रखे बिना भी इसकी खेती की जा सकती है। नई तकनीक से धान की फसल के लिए पानी की जरूरत में 40 से 50 फीसदी तक कम करने में मदद मिलेगी।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और फिलिपींस स्थित अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) ने संयुक्त रूप से यह तकनीक विकसित की है। इस परियोजना में कटक स्थित केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) की भी भागीदारी है। कटक स्थित संस्थान ने ही धान की वैसी किस्मों की पहचान की है जिन्हें दूसरी फसलों की तरह कुछ दौर की सिंचाई के जरिए उगाया जा सकता है। इसने ऐसी कृषि पध्दतियों की भी खोज की है जिसके जरिए धान की ऐसी किस्मों से करीब-करीब उतनी उपज हो सकती है जितनी सामान्य तौर से ज्यादा पैदावार वाली धान की होती है। तकनीकी तौर पर यह एरोबिक राइस कल्टिवेशन कहलाता है। इस तकनीक में धान के खेत में स्थिर पानी की जरूरत नहीं होती और न ही धान के छोटे पौधे तैयार करने की आवश्यकता होती है जैसा कि आम तौर पर होता है और बाद में उसे उखाड़कर दूसरी जगह लगा दिया जाता है। इस तकनीक में कुशलता से तैयार किए गए खेतों में सीधे बीज बो दिए जाते हैं और इस तरह श्रम लागत की भी बचत हो जाती है।

सीआरआरआई के निदेशक टी. के. आद्या के मुताबिक, एपो नाम के ब्राजील के एरोबिक राइस को दुनिया के सबसे अच्छा एरोबिक राइस माना जाता है। एपो को भारतीय धान के साथ क्रॉसब्रीड करवाकर ऐसी किस्म तैयार की जा रही है जो भारतीय कृषि की पारिस्थितिकी के लिए उपयुक्त हो। इन किस्मों में 40 फीसदी कम पानी का इस्तेमाल होता है और अच्छे प्रबंधन के जरिए यह 4-5 टन धान की उपज हो सकती है। एरोबिक स्थितियों में (बिना स्थिर पानी के) उगाए जाने वाले धान की पैदावार सामान्य तौर पर प्रति हेक्टेयर दो टन से कम होती है। एपो जर्मप्लाज्म समेत एरोबिक धान तैयार करने की लिए ब्रीडिंग सामग्री आरआरआरआई से प्राप्त की गई थी। नई किस्मों से कई का परीक्षण खेत में किया जा चुका है। इनमें से एक किस्म शहभागी धान आईआरआरआई इंडिया सीआरआरआई ब्रीडिंग नेटवर्क के जरिए पहले ही अधिसूचित किया जा चुका है ताकि सूखा प्रभावित इलाकों में इसकी खेती हो सके। एक किलोग्राम धान के उत्पादन में सामान्यत- तीन से पांच हजार लीटर पानी की दरकार होती है। सीआरआरआई के क्रॉप प्रॉडक्शन डिवीजन के प्रमुख के. एस. राव कहते हैं कि धान की खेती में ऐसे अपव्ययी तरीके से पानी का इस्तेमाल टिकाऊ नहीं होता है।

आईआरआरआई के मुताबिक, धान की खेती में पानी का इस्तेमाल अगर वैश्विक स्तर पर 10 फीसदी कम कर दिया जाए तो गैर-कृषि की जरूरतों के लिए 150 अरब क्यूबिक मीटर पानी उपलब्ध हो सकता है। हालांकि एरोबिक राइस कल्टिवेशन में कुछ निश्चित तकनीकी समस्याएं हैं जिनसे उबरने के लिए खास कदमों की दरकार है। ऐसी ही एक समस्या है बिना खेतों में भरपूर पानी पहुंचाए बोआई करने के बाद प्रचुरता से उग आए खरपतवार। ये खरपतवार वहां मौजूद पोषक तत्त्व का उपभोग करने में फसलों से होड़ लेते हैं और इस तरह से फसलों को पर्याप्त पोषण से वंचित कर देते हैं। फसलों के विकास के शुरुआती 30 दिन की अवधि में यह समस्या खास तौर पर ज्यादा गंभीर होती है। सीआरआरआई वैज्ञानिकों ने खरपतवार के नाश के लिए रसायन इस्तेमाल करने की सिफारिश की है। दूसरी मुख्य समस्या लौह की कमी की है। जब वहां स्थिर पानी नहीं होता है तो वातावरण में मौजूद ऑक्सीजन मिट्टी में उपलब्ध लौह का ऑक्सीजनीकरण कर देती है जिससे लौह पौधों के लिए अनुपलब्ध हो जाता है। यह फसलों की उत्पादकता में कमी ला देता है। इससे निपटने के लिए विशेषज्ञ मिट्टी में आयरन सल्फेट मिलाने की सलाह देते हैं। एरोबिक राइस कल्टिवेशन की बाबत किए गए प्रयोग से जाहिर हुआ है कि बेहतर परिणाम तभी सामने आता है जब लेजर लैंड लेवलिंग मशीन के जरिए खेत को जोता और समतल किया जाता है। इसके साथ ही सीड ड्रिल मशीन की मदद से बीज बोने की दरकार होती है। पर्याप्त दूरी और गहराई के साथ-साथ एक सीध में बीज बोने के लिए मशीन पहले ही विकसित किए जा चुकेहैं। इसे बैल, ट्रैक्टर या पावर ट्रिल के जरिए संचालित किया जा सकता है। बीज बोने में मशीन के इस्तेमाल से कई फायदे मिलते हैं, जिनमें बीजों की बचत, प्रति हेक्टेयर ज्यादा से ज्यादा पौधों को लगाना, खरपतवार में कम से कम लागत और बेहतर उत्पादन शामिल हैं।

कम बारिश या सिंचाई के लिए अपर्याप्त जल की उपलब्धता से पड़ने वाले विपरीत प्रभाव से बचाने में एरोबिक राइस कल्टिवेशन काफी सहायक हो सकता है। यह वैसे इलाकों के लिए भी खासा उपयोगी हो सकता है जहां भूमिगत जल में एक साथ कई फसलें उगाई जाती है मसलन पंजाब के उत्तरी पश्चिमी इलाके, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश, साथ ही दक्षिण के कुछ इलाके। अन्यथा ज्यादा दोहन के चलते गिर रहे भूजल स्तर को बचाने के लिए उन इलाकों में धान की खेती त्याग दी जानी चाहिए।

पंजाब एग्रीकल्चरल यूनीवर्सिटी ने एक ऐसा ही मीटर तैयार कर लिया है जो किसानों को बताएगा कि खेत को कब कितना पानी चाहिए। यह मीटर है टैंसो मीटर, जो पंजाब एग्रीकल्चरल यूनीवर्सिटी महज 300 रुपये में किसानों को उपलब्ध करवा रहा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक इस मीटर के उपयोग से किसान 25 से 30 फीसदी तक पानी की बचत कर सकते हैं। यूनीवर्सिटी के मिट्टी व भू विभाग के प्रमुख डॉ. अजमेर सिंह सिद्धू के मुताबिक टेंसो मीटर एक छोटा सा पाइपनुमा मीटर है। इसे 15 से 20 सेंटीमीटर जमीन में गाड़ दिया जाता है। पाइप के एक सिर पर पोरस कप नाम का उपकरण लगाया जाता है। पाइप पर हरे व पीले रंग की पट्टी हैं। पानी का स्तर जब दोनों पट्टियों के बीच में होता है तो किसान को यह संकेत मिल जाता है कि खेत में पानी की कमी है। उसे बेवजह पानी देने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

धान उत्पादक राज्यों में किसानों को अच्छी फसल उगाने के लिए खेत में पर्याप्त पानी भरा रखना जरूरी होता है। जबकि पानी की कमी के कारण इसमें मुश्किलें आ रही हैं। धान उगाने के लिए सिंचाई के पानी पर किसानों को काफी खर्च करना पड़ता है। आवश्यकता से ज्यादा पानी खेत में होने से न सिर्फ किसानों की लागत बढ़ जाती है बल्कि पानी का बर्बादी भी होती है। पंजाब व हरियाणा जैसे राज्यों में सिंचाई के लिए जमीन से पानी का अत्यधिक दोहन होने के लिए भूजल स्तर बहुत नीचे चला गया है। यह समस्या सरकार के सामने भी आ रही है। ऐसे में पानी के किफायती इस्तेमाल की जरूरत है। वैज्ञानिकों ने एक ऐसा ही उपकरण बनाया है जिससे धान के खेत में पर्याप्त पानी होने की जानकारी किसानों को मिल जाएगी। इससे पानी का सही उपयोग हो सकेगा और किसानों की सिंचाई लागत भी घटेगी। धान की रोपाई का सीजन शुरू हो चुका है। किसानों ने रोपाई के लिए खेत तैयार करने के मकसद से सिंचाई शुरू कर दिए हैं। इस साल बारिश में देरी हो रही है। ऐसे में नहरी पानी उपलब्ध न होने पर जमीन से पानी निकालना किसानों के लिए एकमात्र साधन रह गया है। ऐसे किसानों ने अपने ट्यूबवैलों से सिंचाई शुरू कर दी है। किसान अपने खेतों में तब तक सिंचाई करते रहेंगे जब तक उन्हें खेत में पर्याप्त पानी होने का भरोसा न हो जाए। लेकिन कई बार अनजाने में किसान जरूरत से ज्यादा पानी खेत में भर देते हैं।

स्थिति यह है कि इससे जमीन के पानी का अत्यधिक दोहन हो रहा है। इसके कारण पानी का स्तर लगातार नीचे जा रहा है। सिंचाई के लिए कब कितने पानी की जरूरत है, अब यह तकनीकी ढंग से किसानों को पता चल जाएगा। पंजाब एग्रीकल्चरल यूनीवर्सिटी ने एक ऐसा ही मीटर तैयार कर लिया है जो किसानों को बताएगा कि खेत को कब कितना पानी चाहिए। यह मीटर है टैंसो मीटर, जो पंजाब एग्रीकल्चरल यूनीवर्सिटी महज 300 रुपये में किसानों को उपलब्ध करवा रहा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक इस मीटर के उपयोग से किसान 25 से 30 फीसदी तक पानी की बचत कर सकते हैं। यूनीवर्सिटी के मिट्टी व भू विभाग के प्रमुख डॉ. अजमेर सिंह सिद्धू के मुताबिक टेंसो मीटर एक छोटा सा पाइपनुमा मीटर है। इसे 15 से 20 सेंटीमीटर जमीन में गाड़ दिया जाता है। पाइप के एक सिर पर पोरस कप नाम का उपकरण लगाया जाता है। पाइप पर हरे व पीले रंग की पट्टी हैं। पानी का स्तर जब दोनों पट्टियों के बीच में होता है तो किसान को यह संकेत मिल जाता है कि खेत में पानी की कमी है। उसे बेवजह पानी देने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हालांकि यह उपकरण तभी प्रभावी होगा, जब इसे लगाने से करीब पंद्रह दिन पहले खेत में पानी भरा जाए।

डॉ. सिद्धू के मुताबिक इस यंत्र की बाजार में कीमत करीब 3000 रुपये है जबकि यूनीवर्सिटी इसे सीधे किसानों तक महज 300 रुपये में दे रही है। राज्य में जिस तरह धान से पानी का स्तर नीचे गिर रहा है उसे रोकने के लिए यह उपकरण काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। इस उपकरण के बार में किसानों को पूरी जानकारी भी दी जा रही है। डॉ. सिद्धू के मुताबिक कई बार ऐसी जमीन रहती है जहां पर पानी का ठहराव कम हो पाता है। ऐसे में किसानों को लगातार पानी देते रहना पड़ेगा। इस यंत्र के बिना किसान कई बार लापरवाही में आवश्यक सिंचाई नहीं करते हैं या फिर कई बार खेतों में पानी इतना ज्यादा दे देते हैं कि वह फसल को फायदा पहुंचाने की बजाए नुकसान पहुंचाने लगता है। यूनीवर्सिटी ने किसानों की इन्हीं समस्याओं को देखते हुए टैंसो मीटर जैसा उपकरण तैयार किया है।

यूनीवर्सिटी के वैज्ञानिक डॉ. जी.एस मांगट के मुताबिक धान की फसल के लिए प्रति एकड़ करीब 10 हजार क्यूबिक मीटर पानी का उपयोग हो रहा है। किसान औसतन धान के सीजन में 15 बार सिंचाई करते हैं। किसानों को तकनीकी रूप से ऐसी कोई जानकारी नहीं रहती है कि उन्हें सिंचाई के लिए कब कितना पानी उपयोग करना चाहिए। पानी का ज्यादा उपयोग भी फसल के लिए नुकसानदायक ही रहता है।

इसलिए किसानों को टैंसो मीटर जैसे उपकरण का उपयोग करना चाहिए ताकि गिरते भूजल को बचाया जा सके। पंजाब में हर साल डेढ से दो फीट तक पानी का स्तर नीचे गिर रहा है। जिसका नतीजा यह है कि बड़ी संख्या में किसानों को अपने ट्यूबवैल भी ज्यादा गहरे करवाने पड़ रहे हैं। जिन पर भारी भरकम खर्च आ रहा है।

डिजिटल मुद्रा

डिजिटल मुद्रा लाने की जल्दबाजी में नहीं, सावधानी से आगे बढ़ेंगेः दास

मुंबई (एजेंसी)।

वित्त वर्ष 2022-23 में डिजिटल मुद्रा लाने की बजट घोषणा के चंद दिनों बाद ही भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्रीय बैंक इस दिशा में जल्दबाजी नहीं करना चाहता है और सभी पहलुओं पर गौर कर रहा है। दास ने मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) लाने की कोई समयसीमा नहीं तय की गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी को बजट पेश करते हुए कहा था कि रिजर्व बैंक अगले वित्त वर्ष में एक डिजिटल मुद्रा लेकर आएगा। इस बारे में गवर्नर ने कहा, ''हम डिजिटल मुद्रा लाने में जल्दबाजी नहीं करना चाहते हैं। हम पूरी सावधानी और सजगता से इससे जुड़े सभी पहलुओं की समीक्षा कर रहे हैं, क्योंकि इसमें कई तरह के जोखिम भी हैं। सबसे बड़ा जोखिम साइबर सुरक्षा और जालसाजी का है।'' उन्होंने कहा कि सीबीडीसी के एक नए मौद्रिक उत्पाद होने से सभी केंद्रीय बैंक इस दिशा में बेहद सावधानी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैं इसके लिए कोई समयसीमा नहीं तय करना चाहता। हम बजट 2022-23 में उल्लिखित इस पहलू की तरफ आगे बढ़ेंगे।'' इस मौके पर रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर टी रविशंकर ने कहा कि सीबीडीसी लाने के लिए जरूरी कानूनी संशोधन होने के साथ ही आरबीआई पायलट एवं साक्ष्य के स्तर पर आगे बढ़ सकता है। आरबीआई पायलट एवं साक्ष्य के स्तर पर आगे बढ़ सकता है।

कोविड-19 की मार से 2020-21 में जीडीपी में 9.57 लाख करोड़ रुपए की भारी गिरावटः सीतारमण

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कहा कि कोविड-19 महामारी की मार से वित्त वर्ष 2020-21 में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 9.57 लाख करोड़ रुपये की भारी गिरावट आई। सीतारमण ने वित्त वर्ष 2022-23 के बजट पर लोकसभा में चली चर्चा का जवाब देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि बैंकों ने सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) के लिए आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) के तहत 3.1 लाख करोड़ रुपए का कर्ज मंजूर किया है। उल्लेखनीय है कि एमएसएमई क्षेत्र कोविड-19 महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। वित्त मंत्री ने बजट पर चली चर्चा का जवाब देते हुए अपने करीब 100 मिनट के संबोधन में कहा, ''अब भी इस योजना का लाभ लेने की इच्छुक एमएसएमई का स्वागत है। ईसीएलजीएस के तहत 3.1 लाख करोड़ रुपए के ऋण मंजूर किए गए हैं। अब भी 1.4 लाख करोड़ रुपए की ऋण गारंटी की गुंजाइश है। इस योजना को मार्च, 2023 तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने बताया कि एमएसएमई को ईसीएलजी योजना के तहत 2.36 लाख करोड़ रुपये का वितरण किया गया है। सीतारमण ने कहा कि देश को 'अमृतकाल की तरफ बढ़ाने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार ने कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, ''आज जनधन योजना के कारण सभी भारतीय समस्त वित्तीय व्यवस्थाओं से जुड़े हैं और इन खातों में 1.57 लाख करोड़ रुपये जमा हैं। इनमें 55.6 प्रतिशत खाते महिलाओं के हैं। उन्होंने कहा कि देश में 2020-21 में 44 यूनिकॉर्न (एक अरब डॉलर से अधिक के मूल्यांकन वाली इकाइयां) बने जो 'अमृत काल का ही संकेत है। वित्त मंत्री ने कहा शहरों में बेरोजगारी अब कोविड-पूर्व के स्तर पर आ गई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में शुरू की गई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत अब तक 1.2 करोड़ अतिरिक्त रोजगार अवसर पैदा हुए

एसडीएमसी बजटः संपत्ति कर बढ़ाने का प्रस्ताव खारिज

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

दक्षिण दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) के सालाना बजट में आवासीय एवं वाणिज्यिक संपत्तियों पर लगने वाले संपत्ति कर में वृद्धि के प्रस्ताव को सदन के नेता ने बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की अगुआई वाले एसडीएमसी के प्रमुख इंदरजीत सहरावत ने बजट प्रस्तावों को अंतिम रूप देते समय संपत्ति कर बढ़ाने के प्रस्ताव को हटा दिया। अप्रैल में होने वाले निगम चुनावों को देखते हुएयह कदम उठाया गया है। यह कदम उठाया गया है। इसके पहले पूर्वी दिल्ली नगर निगम (ईडीएमसी) ने भी अपने बजट में संपत्ति कर बढ़ाने के लिए रखे गए प्रस्ताव को वापस ले लिया था। एसडीएमसी ने एक बयान में कहा कि नगर निगम के बजट में संपत्ति कर बढ़ाने के प्रस्ताव को सदन के नेता ने शामिल करने से इनकार कर दिया।

हालांकि, सहरावत ने एसडीएमसी के स्कूलों में नैतिक शिक्षा देने के लिए आवंटित किए जाने वाले बजट को 15 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये करने का प्रस्ताव रखा है। एसडीएमसी के आयुक्त ज्ञानेश भारती ने 23 नवंबर को आवासीय एवं वाणिज्यिक संपत्तियों पर संपत्ति कर बढ़ाने का प्रस्ताव रखा था। इसके अलावा कर स्लैब को भी तीन से घटाकर दो करने की बात कही गई थी।

इश्यू प्राइज से 65.65 प्रतिशत का दे चुका है रिर्टन, 50 हजार करोड़ रुपए मार्केट कैप. को किया पार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अडाणी विल्मर लिमिटेड का मार्केट कैपिटलाइजेशन गुरूवार को ह्रस्व पर 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक हो गया। 20 त्न अपर सर्किट के साथ यह तीसरे दिन 72 त्न बढ़कर 386.25 में बंद हुआ। ह्रस्व के आंकड़ो के हिसाब से कंपनी का मार्केट कैपिटलाइजेशन 50 हजार 200 करोड़ से ज्यादा हो गया है। 8 फरवरी, मंगलवार को लिस्टिंग के बाद से लगातार तीन दिन हरे निशान में बंद हुआ। हालांकि चौथे दिन उतार चढ़ाव के बाद 1.75त्न गिरावट के साथ 379.50 पर बंद हुआ। पर शेयर गुरुवार को 19.99त्न बढ़कर 381.8 रुपए के अपर सर्किट पर बंद हुआ। के अनुसार इसका मार्केट कैपिटलाइजेशन 49,621.73 करोड़ रुपये है। लिस्टिंग के चौथे दिन में पर 0.21 प्रतिशत गिरावट के साथ 381 में बंद हुआ। अडाणी विल्मर, अडाणी समूह की सातवीं स्टॉक मार्केट में लिस्ट होने वाली कंपनी हैं। इसके अलावा अडाणी एंटरप्राइजेज, अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड, अडाणी टोटल गैस, अडाणी ट्रांसमिशन, अडाणी ग्रीन एनर्जी, अडाणी पावर शामिल हैं। 8 फरवरी को अडाणी विल्मर डिस्काउंट के साथ 227 पर लिस्ट हुआ। इसका इश्यू प्राइस 230 रुपए था। दिन के कारोबार में इसका उच्चतम स्तर 271.25 रहा । लिस्टिंग के पहले दिन 20त्न बढ़कर 268.25 पर बंद हुआ। दूसरे दिन अडाणी विल्मर 273.65 रुपए में ओपन होकर, 272 न्यूनतम स्तर व 321.90 उच्चतम स्तर के साथ 321.90 पर बंद हुआ। तीसरे दिन भी शेयर के प्राइज में उछाल रहा और 345 रु. न्यूनतम स्तर व 386.25 उच्चतम स्तर के साथ 386 पर बंद हुआ। हालांकि तीसरे दिन तेजी थमते हुए 1.75 प्रतिशत गिरावट के साथ 379.50 रुपए में बंद हुआ। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार वर्तमान में गौतम आदानी दुनिया के सबसे अमीर लोगों के सूची में 11वें नंबर पर हैं। आदानी की वर्तमान नेटवर्थ 87.4 बिलियन डॉलर (करीब 6.59 लाख करोड़ रुपए) है। वहीं मुकेश अंबानी इस सूची में 10वें स्थान पर हैं।

संक्षिप्त समाचार

रिजर्व बैंक ने ऋण डेरिवेटिव के निपटान के लिए समिति बनाने को कहा

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को मुद्रा बाजार निकाय फिक्स्ड इनकम मनी मार्केट एंड डेरिवेटिव्स एसोसिएशन (फिम्डा) को ऋण डेरिवेटिव निर्धारण समिति गठित करने का निर्देश देते हुए कहा कि इससे डेरिवेटिव के नकदी एवं नीलामी समाधान की प्रक्रिया तय की जा सकेगी। केंद्रीय बैंक ने मुद्रा बाजार साधनों के लिए जारी दिशानिर्देश की समीक्षा करते हुए ऋण डेरिवेटिव के बारे में विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत बनाई जाने वाली ऋण डेरिवेटिव निर्धारण समिति (सीडीडीसी) नकद समाधान एवं नीलामी निपटान की प्रक्रिया को तय करेगी। यह समिति फिम्डा को बनानी है।आरबीआई ने कहा कि सीडीडीसी केंद्रीय प्रतिपक्षों को भी पर्यवेक्षक सदस्यों और कानूनी एवं ऑडिट फर्मों को सलाहकार सदस्यों के तौर पर शामिल कर सकती है। यह समिति ही तय करेगी कि ऋण चूक अदलाबदली (सीडीएस) के अनुबंधों का निपटान किस तरह होगा। सीडीएस एक ऋण डेरिवेटिव अनुबंध होता है ।

निश्चित दर रिवर्स रेपो, एमएसएफ परिचालन एक मार्च से महामारी-पूर्व के समय से : आरबीआई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को कहा कि निश्चित दर रिवर्स रेपो सुविधा और सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) के तहत तरलता समायोजन के लिए समय एक मार्च, 2022 से महामारी-पूर्व के स्तर पर किया जाएगा। केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि निश्चित दर रिवर्स रेपो परिचालन और एमएसएफ संचालन के लिए नया समय 5:30 बजे से 11: 59 बजे तक होगा। रिजर्व बैंक के अनुसार महामारी के मद्देनजर पूरे दिन नकदी उपलब्ध कराने के लिए इसकी समयसीमा 0900 बजे से 11: 59 बजे तक की गई थी। केंद्रीय बैंक ने कहा कि तरलता समायोजन सुविधा (एलएएफ) रिवर्स रेपो और एमएसएफ परिचालन पर लागू अन्य सभी नियम और शर्तें समान रहेंगी

बैंक का ऋण 8.21 प्रतिशत बढ़ा, जमा में 8.31 प्रतिशत की वृद्धि

मुंबई । बैंकों का ऋण 28 जनवरी को समाप्त पखवाड़े में 8.21 प्रतिशत बढ़कर 115.82 लाख करोड़ रुपये और जमा 8.31 प्रतिशत बढ़कर 160.33 लाख करोड़ रुपये हो गई। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। रिजर्व बैंक की अनुसूचित बैंकों पर जारी रिपोर्ट के अनुसार, 29 जनवरी, 2021 को समाप्त पखवाड़े में बैंकों का ऋण 107.04 लाख करोड़ रुपये और जमा 148.02 लाख करोड़ रुपये थी। वही 14 जनवरी को समाप्त हुए पिछले साल पखवाड़े में बैंक ऋण में 8.01 प्रतिशत और जमा में 9.28 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इसके अलावा वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान बैंक ऋण में 5.56 प्रतिशत और जमा में 11.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

बीते साल की चौथी तिमाही में भारतीय स्टार्टअप कंपनियों ने सात अरब डॉलर से अधिक जुटाए : रिपोर्ट

नयी दिल्ली। भारतीय स्टार्टअप कंपनियों ने वर्ष 2021 की चौथी तिमाही के दौरान सात अरब डॉलर से अधिक की धनराशि जुटाई है। यह राशि इससे पिछले तिमाही की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है। नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विसेज कंपनीज (नैसकॉम) और प्रैक्सिस ग्लोबल की रिपोर्ट के अनुसार कैलेंडर वर्ष 2021 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में वित्तीय प्रौद्योगिकी और खुदरा तकनीक क्षेत्र की कंपनियों ने सबसे अधिक धन जुटाया है। रिपोर्ट के अनुसार, इन दोनों क्षेत्रों की स्टार्टअप कंपनियों ने इस अवधि के दौरान कुल वित्तपोषण का 46 प्रतिशत जुटाया है। रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले वर्ष की चौथी तिमाही में भारतीय प्रौद्योगिकी स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में 14 नई यूनिकॉर्न जोड़ी गईं।

निफ्ट कारीगरों एवं बुनकरों की आय बढ़ाने के लिए काम करेः गोयल

नयी दिल्ली । कपड़ा और उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) से देश में कारीगरों एवं बुनकरों की आय बढ़ाने के लिए बड़े नजरिये के साथ काम करने को कहा है। गोयल ने निफ्ट की तरफ से चलाई जा रही विकास एवं परामर्श परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि भारतीय राष्ट्रीय साइजिंग सर्वे और विजनेक्स्ट-ट्रेंड इनसाइट एंड फोरकास्टिंग लैब देश के परिधान निर्यात को बड़ा प्रोत्साहन दे सकते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि निफ्ट को अपनी हरेक परियोजना की प्रगति में तेजी लानी चाहिए ताकि वांछित नतीजे आम लोगों एवं उद्योगों तक जल्द पहुंच सके। आधिकारिक बयान के मुताबिक, गोयल ने निफ्ट से अपना दायरा बढ़ाने के लिए हाइब्रिड पाठ्यक्रम शुरू करने और अल्पावधि के कौशल विकास कार्यक्रम शुरू करने की दिशा में भी काम करने को कहा।

सालाना आधार पर 3.27 लाख यूनिट की हुई कमी, जनवरी में 8त्न घटी पैसेंजर व्हीकल्स की बिक्री

नई दिल्ली(एजेंसी) ।

पैसेंजर, कॉमर्शियल, टू-व्हीलर्स और थ्री-व्हीलर्स की कुल 14 लाख 6 हजार 672 व्हीकल्स की यूनिट्स बेची गईं, जबकि जनवरी 2021 में 17 लाख 33 हजार 276 यूनिट्स बेची गईं थी। इस तरह इसमें 23.21त्न की गिरावट देखी गई। इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर सोसाइटी के मुताबिक पिछले महीने भारत में पैसेंजर व्हीकल की होलसेल 8.05त्न घटकर 2,54,287 यूनिट्स रह गई। जनवरी 2021 में पैसेंजर व्हीकल्स की बिक्री 2,76,554 यूनिट्स थी। दोपहिया व्हीकल्स की बिक्री 19.38 प्रतिशत गिरकर 14 लाख 82 हजार 483 यूनिट्स रह गई। जबकि पिछले साल इसी समय में 18 लाख 39 हजार 46 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। जनवरी 2022 में तिपहिया व्हीकल्स की बिक्री भी 7.11 प्रतिशत घटकर 67,938 यूनिट्स रह गई, जो पिछले साल इसी महीने में 63,423 यूनिट्स थी। पैसेंजर्स व्हीकल्स एक्सपोर्ट 9.6त्न बढ़कर 40,787 यूनिट्स हो गया, जो पिछले साल इसी महीने में 37,187 यूनिट्स था।

जबकि प्रोडक्शन पिछले साल के इसी महीने में 3,10,334 यूनिट्स से 2.1त्न बढ़कर 3,03,834 यूनिट्स हो गया। पिछले महीने भारत में पैसेंजर व्हीकल की होलसेल 8.05त्न घटकर 2,54,287 यूनिट्स रह गई। जबकि जनवरी 2021 में पैसेंजर व्हीकल्स की बिक्री 2,76,554 यूनिट्स थी।

हल्के तेलों की मांग बढ़ने से बिनौला, सोयाबीन और पामोलिन तेल की कीमतें सुधरी

नयी दिल्ली(एजेंसी)।

हल्के तेलों की मांग बढ़ने और शिकागो एक्सचेंज में तेजी रहने के कारण दिल्ली तेल तिलहन बाजार में बृहस्पतिवार को बिनौला, सोयाबीन और पामोलिन तेल की कीमतों में सुधार दर्ज किया गया। वही मांग घटने से सरसों तेल की कीमतें घट गईं। बाजार से जुड़े सूत्रों ने बताया कि शिकागो एक्सचेंज में 1.1 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है जबकि मलेशिया एक्सचेंज में 1.13 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। उन्होंने बताया कि सोयाबीन डिगम का भाव 1535 डॉलर प्रति टन पर पहुंच गया है, जिससे इसकी कीमतों में सुधार हुआ है। सूत्रों ने कहा कि यूएसडी की रिपोर्ट के अनुसार पूरे विश्व में सोयाबीन दाने का अंतिम स्टॉक पिछले महीने के मुकाबले घट रहा है। इसकी वजह से सोयाबीन दाना की कीमतों में सुधार हुआ है। बाजार में थोक भाव इस प्रकार रहे- (भाव- रुपये प्रति क्विंटल) सरसों तिलहन - 8300-8330 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपये। मूंगफली - 5,795 - 5,890 रुपये। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 12,850 रुपये। मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 1980 - 2,105 रुपये प्रति टिन। सरसों तेल दादरी- 16,500 रुपये प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी- 2435-2285 रुपये प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी- 2635-2730 रुपये प्रति टिन। तिल तेल मिल डिलिवरी - 16,700-18,200 रुपये। सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 13,950 रुपये। सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 13,600 रुपये। सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 12,450। सीपीओ एक्स-कांडला- 12,050 रुपये। बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 12,720 रुपये। पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 13,550 रुपये। पामोलिन एक्स-कांडला- 12,400 (बिना जीएसटी के)। सोयाबीन दाना 6625-6675। सोयाबीन लूज 6435-6600 रुपये। मक्का खल (सरिस्का) 4,000 रुपये। सोयाबीन दाना 6625-6675। सोयाबीन लूज 6435-6600 रुपये। मक्का खल (सरिस्का) 4,000 रुपये।

कार में सभी सीटों के लिए 'थ्री-पॉइंट' सीट बेल्ट देना अनिवार्य हुआ

नयी दिल्ली । सरकार ने वाहन विनिर्माता कंपनियों को कार में बैठने वाले सभी यात्रियों के लिए 'थ्री-पॉइंट' सीट बेल्ट मुहैया कराना अनिवार्य कर दिया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था कार की पिछली सीट में बीच में बैठने वाले यात्री के लिए भी लागू होगी। कार कंपनियों को बीच वाले यात्री के लिए भी थ्री-पॉइंट सीट बेल्ट मुहैया करानी होगी। गडकरी ने कहा, ''मैंने इस प्रावधान वाली फाइल पर कल ही हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत कार विनिर्माताओं को वाहन में बैठने वाले सभी यात्रियों के लिए थ्री-पॉइंट सीट बेल्ट देना अनिवार्य कर दिया गया है।'' इस प्रावधान के लागू होने का मतलब है कि किसी कार में बैठने वाले सभी यात्रियों के लिए थ्री-पॉइंट सीट बेल्ट देना अब जरूरी होगा। फिलहाल कार की अगली दोनों सीटों और पीछे की कतार में दो लोगों के लिए ही थ्री-पॉइंट सीट बेल्ट दी जाती है। वहीं पिछली कतार वाली बीच की सीट के लिए सिर्फ टु-पॉइंट सीट बेल्ट ही आते हैं। सवारियों की सुरक्षा को देखते हुए सीट बेल्ट की संख्या बढ़ाने का फैसला लिया गया है। गडकरी ने कहा कि देशभर में हर साल होने वाली करीब पांच लाख दुर्घटनाओं में करीब 1.5 लाख लोगों की मौत हो जाती है। गडकरी ने कहा कि देशभर में हर साल होने वाली करीब पांच लाख दुर्घटनाओं में करीब 1.5 लाख लोगों की मौत हो जाती है।

पेट्रोनेट अगले पांच साल में करेगी 40,000 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली(एजेंसी)।

दुनिया के सबसे बड़े तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आयात टर्मिनल का परिचालन करने वाली पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड अगले चार-पांच वर्षों में 40,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी जिसमें विदेशी आपूर्ति स्रोत भी शामिल हैं। पेट्रोनेट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ए के सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि कंपनी की पेट्रोरसायन कारोबार क्षेत्र में भी प्रवेश की योजना है। इसके लिए कंपनी एक प्रोपेन डिहाइड्रोजेनरेशन संयंत्र में 12,500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी जो आयातित माल को प्रोपिलीन में बदलेगा। सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि पेट्रोनेट की ओडिशा के गोपालपुर में एक फ्लोटिंग (हवा में तैरती) एलएनजी आयात इकाई स्थापित करने की भी योजना है। पिछले साल अमेरिका के लूसियाना में टेल्यूरियन की एलएनजी परियोजना में 2.5 अरब डॉलर निवेश संबंधी गैर-बाध्यकारी समझौता करने वाली कंपनी विदेशी परियोजनाओं में निवेश की संभावनाओं पर भी गौर करेगी। सिंह ने इसका अधिक ब्योरा न देते हुए कहा, ''हम विदेशी निवेश के बढ़िया मौकों का मूल्यांकन हमेशा ही करते रहते हैं। अगर ऐसा करना देश के लिए फायदेमंद और बेहतर विकल्प है तो निश्चित रूप से हम ऐसा करेंगे।'' एलएनजी -162 डिग्री सेल्सियस तक ठंडी की गई प्राकृतिक गैस होती है ताकि जहाजों के जरिए आसानी से इसकी ढुलाई हो सके। बाद में इसे तरल रूप में बदल दिया जाता है। भारत का घरेलू प्राकृतिक गैस उत्पादन ऊर्जा, उर्वरक एवं सीएनजी क्षेत्रों की घरेलू मांग को आधा भी पूरा नहीं कर पाता है। बाकी जरूरत को एलएनजी के रूप में आयात किया जाता है। सिंह ने कहा कि पेट्रोनेट घरेलू एलएनजी आयात क्षमता के विस्तार और पेट्रोरसायन कारोबार पर 17,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इसमें गुजरात के दाहेज टर्मिनल की क्षमता को बढ़ाकर 2.25 करोड़ टन प्रतिवर्ष करने पर 600 करोड़ रुपए और एक अतिरिक्त भंडारण टैंक बनाने पर 1,245 करोड़ रुपए का निवेश शामिल है। दाहेज आयात इस बंदरगाह में तीसरी जेटी भी जोड़ी जाएगी जहां प्रोपेन, इथेन और एलएनजी का आयात किया जा सके।

दूरसंचार विभाग के पास एम2एम सेवा प्रदाताओं को कराना होगा पंजीकरण

नयी दिल्ली । दूरसंचार विभाग ने सुरक्षा से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए मशीन-टू-मशीन (एम2एम) सेवाएं देने वाली सभी कंपनियों के लिए पंजीकरण कराना अनिवार्य कर दिया है। दूरसंचार विभाग ने इस बारे में दिशानिर्देश जारी करते हुए कहा है कि इंटरफेस एवं सुरक्षा से जुड़े मसलों को ध्यान में रखते हुए एम2एम सेवा प्रदाताओं को विभाग के पास पंजीकरण कराना होगा। टोल प्लाजा पर फास्टैग के जरिये पैसे की कटौती और संबंधित उपभोक्ता को इस कटौती के बारे में एसएमएस भेजने की सेवा एम2एम के तहत आती है। हालांकि, किसी तीसरे पक्ष को एम2एम सेवा देने की मंशा रखने वाला दूरसंचार ऑपरेटर अपने मौजूदा लाइसेंस के तहत बिना पंजीकरण के ही काम करना जारी रख सकता है।

दुष्यंत शर्मा नें पूरा किया सपना - शतरंज मे पंजाब को मिला पहला इंटरनेशनल मास्टर

चंडीगढ़ । पंजाब को लंबे समय के बाद आखिरकार शतरंज में उसका पहला इंटरनेशनल मास्टर मिल गया है । पंजाब के 19 वर्षीय दुष्यंत शर्मा प्रदेश के पहले इंटरनेशनल मास्टर बन गए है , दुष्यंत नें गत दिवस सर्बिया में यूएम मिक्स होटल पुतनिक इंटरनेशनल शतरंज टूर्नामेंट में दूसरे राउंड के दौरान रूस के इंटरनेशनल मास्टर आर्टेम सदोव्स्की को मात देते हुए अपनी लाइव रेटिंग 2400 के पार पहुंचाते हुए इंटरनेशनल मास्टर का टाइटल हासिल कर लिया । शतरंज में इंटरनेशनल मास्टर बनने के लिए आपको तीन इंटरनेशनल टूर्नामेंट में अच्छा खेल दिखाते हुए तीन आईएम नोर्म हासिल करने होते है । दुष्यंत नें अपना सबसे पहले नोर्म 2019 में परदुबाइस ओपन ,चेक गणराज्य में हासिल किया था। उसके बाद दूसरा नार्म उन्हे मिला अगस्त 2021 में जब उन्होने पुट स्वीले इंटरनेशनल राउंड रॉबिन टूर्नामेंट जीत लिया उसके ठीक 2 माह बाद उन्होने सर्बिया में हो तीसरा नार्म थर्ड सटरडे इंटरनेशनल में हासिल कर लिया था पर इसके अलावा जरूरी 2400 रेटिंग हासिल करने के लिए उन्हे चार माह और इंतजार करना पड़ा और इसके साथ ही दुष्यंत पंजाब शतरंज इतिहास के पहले इंटरनेशनल मास्टर और सबसे अधिक रेटिंग वाले खिलाड़ी बन गए है ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम

विश्व कप से पहले टीम संयोजन तलाशने उतरेगी भारतीय महिला टीम, कप्तान मिताली ने दिया यह बयान

क्रींसटाउन ।

पृथकवास का समय बढने से स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना के बाहर होने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार से शुरू हो रही पांच मैचों की वनडे श्रृंखला में टीम संयोजन सुधारने के इरादे से उतरेगी। इससे पहले एकमात्र टी20 मैच में भारत को 18 रन से पराजय झेलनी पड़ी थी। कप्तान मिताली राज वनडे श्रृंखला का आगाज जीत के साथ करना चाहेगी चूंकि अगले महीने होने वाले आईसीसी विश्व कप के लिए यह महत्वपूर्ण श्रृंखला है। मिताली ने कहा कि न्यूजीलैंड में टीम की कप्तानी करके मैं काफी रोमांचित हूं। हमारे लिए हर श्रृंखला अहम है और हमें अहसास है कि एक अरब लोगों की उम्मीदें हमसे लगी है। दबाव काफी है लेकिन हमें अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद है। छोटे मैदानों पर तेज हवाओं के बीच खेलना आसान नहीं होगा लेकिन इस अभ्यास का फायदा चार मार्च से शुरू हो रहे विश्व कप में मिलेगा। खिलाड़ियों की उपलब्धता भी भारत के लिए बड़ा मसला है चूंकि मंधाना, तेज गेंदबाज रेणुका सिंह और मेघना सिंह 'मैनेन्ड आइसोलेशन एंड क्वारंटीन (एमआईक्यू) का समय बढ़ाए जाने के कारण टीम से बाहर हैं। उनकी गैर मौजूदगी में दूसरे खिलाड़ियों के लिए अपनी उपयोगिता साबित करने का मौका है जो विश्व कप टीम में जगह बनाने को बेताब होंगी। एकमात्र टी20 मैच में बल्लेबाजों ने निराश किया और ऐसे में शीर्ष खिलाड़ियों की गैर मौजूदगी में अंतिम एकादश चुनना मिताली और टीम प्रबंधन के लिए बड़ी चुनौती है। टी20 में शेफाली वर्मा के साथ पारी की शुरूआत करके 26 रन बनाने वाली यस्तिका भाटिया की जगह बरकरार रहेगी। मध्यक्रम में बदलाव करने होंगे जिसकी धुरी मिताली रहेंगी। फोकस हरमनप्रीत कौर पर भी होगा जो बिग बैश लीग में कामयाब रहने के बाद यहां 12 रन ही बना सकी। बिग बैश लीग में वह प्लेयर आफ द टूर्नामेंट थी। गेंदबाजी में अनुभवी झूलन गोस्वामी आक्रमण की अगुवाई करेंगी जिन्होंने 2018 में टी20 से संन्यास ले लिया। वह पूजा वस्त्राकर के साथी नयी गेंद संभालेंगी। सिमरन बहादुर से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी जिन्होंने दो ओवर में 26 रन दे डाले थे। दूसरी ओर न्यूजीलैंड जीत की लय कायम रखना चाहेगी । वनडे में हालांकि उसका रिकॉर्ड खराब है और उसने पिछले 20 वनडे में से एक ही जीता है । कप्तान सोफी डेवाइन का इरादा भी विश्व कप से पहले सही संयोजन तलाशना चाहेगी। भारत मिताली राज (कप्तान), हरमनप्रीत कौर, शेफाली वर्मा, यस्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, रिचा घोष, स्नेह राणा, झूलन गोस्वामी, पूजा वस्त्राकर, तानिया भाटिया, राजेश्वरी गायकवाड़, पूनम यादव, सिमरन दिल बहादुर। न्यूजीलैंड : सोफी डेवाइन (कप्तान), एमी सैटर्थवेट, सूजी बेट्स, लौरेन डाउन, मैडी ग्रीन, ब्रूक हालीडे,।

पंत और गिलक्रिस्ट 'कुछ हद तक एक जैसे, लेकिन तुलना करना जल्दबाजी होगी : पोंटिंग

दुबई ।

रिकी पोंटिंग को लगता है कि ऋषभ पंत की मैदान पर आक्रामकता वैसी ही है जैसे महान क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट क्रिकेट खेलते थे लेकिन दोनों के बीच तुलना तभी हो सकती है जब भारतीय खिलाड़ी कम से कम 50-60 टेस्ट मैच खेल ले। पोंटिंग ने 'द आईसीसी रिव्यू में कहा, 'हां, वे थोड़े से समान हैं। मैं जानता हूं कि ऋषभ जब से आए हैं, लेकिन सर्वकालिक महान विकेटकीपर बल्लेबाज में से एक से तुलना करना शुरू करने से पहले उसे कम से कम से 50-60 टेस्ट मैच तो खेलने दीजिये। गिलक्रिस्ट ने 96 टेस्ट मैच खेलकर 47.6 के औसत से 5570 रन बनाए हैं। वह 287 वनडे में भी अपने देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं जिसमें उन्होंने 35.89 के औसत से रन बनाए हैं। वहीं पंत ने अभी 28 टेस्ट, 23 वनडे और 41 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में देश का प्रतिनिधित्व किया है। पोंटिंग ने कहा, 'लेकिन अगर आप उनके व्यक्तित्व के बारे में सोचोगे तो ऋषभ बर्हिमुखी, ज्यादा तेज बोलने वाला और चुलबुला तथा अति स्पर्धी है। उन्होंने कहा, 'गिली भी अति-स्पर्धी थे, लेकिन वह काफी शांत और अंर्तमुखी थे लेकिन जब उनके हाथ में बल्ला आ जाता तो वह बिलकुल ऋषभ की तरह हो जाते थे। पोंटिंग गिलक्रिस्ट के साथ खेले और उनके कप्तान थे। पर पोंटिंग पंत के साथ भी काम कर चुके हैं क्योंकि वह दिल्ली कैपिटल्स के कोच थे। पोंटिंग कई वर्षों से आईपीएल का हिस्सा रह चुके हैं और युवा भारतीय प्रतिभाओं को देख रहे हैं। वह पृथ्वी साव और रूतुराज गायकवाड़ से काफी प्रभावित हैं। उन्होंने कहा, 'दिल्ली कैपिटल्स में हमने पृथ्वी साव को रिटेन किया है, जिनका पिछले साल आईपीएल सत्र में हमने शानदार प्रदर्शन देखा। मुझे अब भी लगता है कि वह बतौर व्यक्ति और बतौर खिलाड़ी अपने बारे में काफी कुछ सीख रहा है।

आईपीएल मेगा ऑक्शन में नहीं दिखेंगी प्रीति जिंटा, फैंस से मांगे यह सुझाव

स्पोर्ट्स डेस्क । आईपीएल मेगा ऑक्शन को लेकर एक दिन का ही समय रह गया है। सभी फ्रेंचाइजियों ने अब तक यह तय कर लिया होगा कि वह किस खिलाड़ी को अपनी टीम में शामिल करना चाहेंगी। पर आईपीएल की मेगा ऑक्शन में पंजाब किंग्स की सह मालिक प्रीति जिंटा नहीं दिखाई देंगी। इसकी जानकारी खुद प्रीति जिंटा ने ट्विटर पर ट्वीट करते हुए दी। प्रीति जिंटा ने कहा कि वह इस बार के आईपीएल ऑक्शन में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। प्रीति जिंटा ने ट्वीट करते हुए लिखा कि मैं इस बार आईपीएल की ऑक्शन में शामिल नहीं हो पाउंगी क्योंकि मैं अपने छोटे-छोटे प्रियजनों को छोड़कर भारत नहीं आ सकती। पिछले कुछ दिन काफी व्यस्त रहे क्योंकि हम आईपीएल ऑक्शन और क्रिकेट टीम को लेकर चर्चा कर रहे थे। मैं अपने फैंस के पास पहुंचना चाहती हूं। प्रीति जिंटा ने इसके साथ ही अपने फैंस से सुझाव भी मांगे। प्रीति जिंटा ने आईपीएल ऑक्शन को लेकर फैंस से पूछा कि अगर आपके पास कोई सुझाव है तो वह जरूर भेजे कि किस खिलाड़ी को वह खरीदे। आईपीएल ऑक्शन 12 और 13 फरवरी को होना है। उल्लेखनीय है कि प्रीति की पंजाब किंग्स टीम 72 करोड़ रुपए के पर्स के साथ बेंगलुरु में आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी में भाग लेगी। अन्य सभी की तुलना में पंजाब के पास सबसा बड़ा पर्स है। दरअसल पंजाब किंग्स ने आईपीएल के 2022 सीजन से पहले केवल मयंक अग्रवाल (12 करोड़ रुपए) और अर्शदीप सिंह (4 करोड़ रुपए) को ही टीम में रिटेन किया है। पंजाब किंग्स आईपीएल 2021 में कप्तान लोकेश राहुल के नेतृत्व में जीत और आठ में हार के साथ 12 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहा था। अपने 14 लीग मैचों से छह में जीत और आठ में हार के साथ 12 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहा था।

प्रो लीग में जीत के सिलसिले को कायम रखने उतरेगी भारतीय हॉकी टीम

पोशेफस्ट्रूम ।

एफआईएच प्रो लीग के इस सत्र में अपना अभियान लगातार दो शानदार जीत के साथ शुरू करने के बाद भारतीय पुरूष हॉकी टीम फ्रांस के खिलाफ शनिवार को भी जीत के इस सिलसिले को कायम रखना चाहेगी। पहले मैच में भारत ने फ्रांस को 5.0 से हराया जिसमें हरमनप्रीत सिंह, वरूण कुमार, शमशेर सिंह, मनदीप सिंह और अपना 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे आकाशदीप सिंह ने गोल दागे। कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा, 'जीत के साथ शुरूआत करना अच्छा रहा। पहला क्वार्टर अच्छा नहीं रहा लेकिन उसके बाद हमने बेहतरीन खेल दिखाया। हमने हर मौके को भुनाने की कोशिश की। इस जीत के बावजूद उन्होंने कहा कि फ्रांस अप्रत्याशित प्रदर्शन करने में माहिर टीम है। उन्होंने कहा, 'हम शनिवार को उनके खिलाफ उतरेंगे तो उन्हें हलके में लेने की गलती कतई नहीं करेंगे। हमने नीदरलैंड के खिलाफ देखा है कि फ्रांस की टीम क्या कर सकती है। मनप्रीत ने कहा, 'वह मैच शूटआउट तक गया और शूटआउट में वे हारे। हमारे खिलाफ भी उन्होंने गोल करने के कई मौके बनाए। भारत को रविवार को दक्षिण अफ्रीका से खेलना है और टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता टीम जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका से विदा लेना चाहेगी। भारत ने पहले मैच में बुधवार को दक्षिण अफ्रीका को 10.2 से हराया था। नए खिलाड़ी

जुगराज सिंह ने हैट्रिक लगाई जबकि गुरसाहिबजीत सिंह और दिलप्रीत सिंह ने दो दो गोल किए थे। हरमनप्रीत, अभिषेक और मनदीप ने भी एक एक गोल दागा था। भारत ने वह मैच बड़े अंतर से जीता लेकिन मनप्रीत का मानना है कि दूसरे हाफ में प्रदर्शन बेहतर हो सकता था। उन्होंने कहा, 'नए खिलाड़ियों जुगराज और अभिषेक का गोल करना अच्छा रहा। लेकिन मैच के वीडियो देखने के बाद हमने महसूस किया कि दूसरे हाफ में प्रदर्शन बेहतर हो सकता था। रक्षण में काफी चूक हुई जिससे दक्षिण अफ्रीका को वापसी का मौका मिला। हम वह लय कायम नहीं रख सके जो मैच की शुरूआत में थी। हमें चारों क्वार्टर में अच्छा खेलना होगा। भारत पूल तालिका में अभी तीसरे स्थान पर है ।

संक्षिप्त समाचार

भज्जी ने की इस बल्लेबाज की वकालत, बोले- वह 30 गेंद पर 80 रन भी बना सकता है

खेल डेस्क । विंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में ईशान किशन का बदला हुआ रूप नजर आया था। उन्होंने जिस मैच में मौका मिला उसमें वह ज्यादा रन नहीं बना पाए। इसके अलावा उनकी स्ट्राइक रेट भी अच्छी नहीं रही। लेकिन इसके बावजूद भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह को लगता है कि किशन किशन की आईपीएल 2022 के ऑक्शन में काफी डिमांड रहने वाली है। ट्वंटी-20 क्रिकेट में ईशान बढ़ा नाम है वह जिस तरह की बल्लेबाजी करता है उससे सब लोग वाकिफ हैं। बहरहाल, हरभजन ने कहा कि ईशान सलामी बल्लेबाजी के लिए बिल्कुल उपयुक्त है। वह शुरूआती ओवरों में 30 यार्ड सर्किल का फायदा उठाने में पूरी तरह से सक्ष्म हैं। इस बार आई.पी.एल. के ज्यादातर मैच मुंबई में होने हैं ऐसे में उम्मीद है कि ईशान इन पिचों पर खेलने का अनुभव साथ लेकर चलेंगे। वैसे भी ईशान पिछले सीजन में मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे। नए सीजन के लिए ईशान ऑक्शन में गए हैं। उनके लिए कई बड़ी फ्रेंचाइजी दांव लगा सकती है। क्योंकि ईशान विकेटकीपर भी हैं तो ऐसे में उन्हें भारी भरकम राशि मिल सकती है। हरभजन सिंह ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर ईशान पर बात करते हुए कहा कि अगर उनके जैसा प्लेयर किसी भी टीम का हिस्सा बने तो उसे लीडरशिप की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। जिम्मेदारियां मिलेगी तो वह और अच्छे होते जाएंगे। वैसे भी ईशान झारखंड की कप्तानी करते ही हैं। आगामी ऑक्शन में आरसीबी उनपर दांव लगा सकती है। भज्जी बोले- वह ऐसे प्लेयर हैं जिनका मैं फैन हूं। अपने दम पर वो किसी भी दिन 30 गेंदों पर 70-80 रन बना सकते हैं और टीम को मैच जिता सकते हैं। आने वाले दिनों में वो बहुत बड़े प्लेयर बनेंगे। अपने दम पर वो किसी भी दिन 30 गेंदों पर 70-80 रन बना सकते हैं और टीम को मैच जिता सकते हैं। आने वाले दिनों में वो बहुत बड़े प्लेयर बनेंगे।

फीडे ग्रां प्री शतरंज 2022 - यूएसए के लेवोन अरोनियन पहुंचे सेमी फाइनल

बर्लिन,जर्मनी । फीडे ग्रां प्री सीरीज के पहले पड़ाव बर्लिन ग्रां प्री में पांचवें राउंड के बाद सबसे पहले यूएसए के लेवोन अरोनियन सेमी फाइनल पहुँचने में कामयाब रहे है । अरोनियन पूल सी में पांचवें राउंड में जर्मनी के विन्सेंट केमर को मात देते हुए 4 अंक बनाकर एक राउंड पहले ही सबसे आगे निकल गए ,दूसरे स्थान पर चल रहे भारत के विदित गुजराती और रूस के डेनियल डुबोव के बीच बाजी ड्रॉ रहने से दोनों 2.5 अंक पर ही रह गए और अब अंतिम राउंड एक औपचारिकता रह गया है । वहीं पूल डी में भारत के पेंटाला हरिकृष्णा भी यूएसए के लिनियर दोमिंगेज से हारकर प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर हो गए जबकि यूएसए के वेसली सो नें स्पेन के अलेक्सी शिरोव से ड्रॉ खेलते हुए 3.5 अंक बनाकर अपनी बढ़त को बरकरार रखा है । पूल ए में यूएसए के हिकारु नाकामुरा नें रूस के अलेक्जेंडर ग्रीसचुक को पराजित किया और 3.5 अंक के साथ बढ़त बनाई हुई है तो रूस के आन्द्रे एसीपेंकों नें फ्रांस के एटीने बकरोट को पराजित करते हुए 3 अंक बनाकर प्ले ऑफ की संभावना को जिंदा रखा है । पूल बी में स्थिति सबसे रोचक है जहां सारे मुकाबले ड्रॉ रहने से पोलैंड के वोइटसजेक राडास्लाव और रूस के फेडोसीव ब्लादिमीर 3 अंक बनाकर सयुंक्त बढ़त पर चल रहे है । अब अंतिम छठे राउंड के बाद हर पूल के शीर्ष खिलाड़ी सेमी फाइनल में पहुँच जाएँगे ।

रहाणे ने टेस्ट उप-कप्तानी से हटाए जाने पर दिया बयान, कहा- मेरे नियंत्रण में कुछ भी नहीं था

स्पोर्ट्स डेस्क ।

भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे के लिए बीते दो वर्षों कठिन रहे हैं और उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले टेस्ट में उप-कप्तानी की भूमिका से हटा दिया गया था। यह 33 वर्षीय खिलाड़ी पहले की तरह सुसंगत नहीं रहा जिस कारण वह टीम में भी अपनी जगह गंवाने के कगार पर हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के दौरे में छह पारियों में सिर्फ 136 रन बनाए और 2021 उनके लिए सबसे कम स्कोर वाले वर्षों में से भी एक रहा। टेस्ट उप-कप्तानी से हटाए जाने के बाद अजिंक्य रहाणे का दर्द छलका है और उन्होंने कहा कि यह चयनकर्ताओं की कॉल थी। एक मीडिया हाउस के साथ बातचीत के दौरान जब रहाणे से पूछा गया कि क्या उप-कप्तानी में बदलाव से पहले उनसे सलाह ली गई थी? उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से चयनकर्ताओं का निर्णय था (रोहित को उप-कप्तान बनाना)। मेरे नियंत्रण में कुछ भी नहीं था। मैं उस फैसले का सम्मान करता हूं। रोहित वास्तव में अच्छा कर रहा है और अच्छी तरह से टीम का नेतृत्व कर रहा है। मैं रोहित के लिए खुश था। वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने काफी क्रिकेट खेला। हम भी अच्छे दोस्त हैं। मैं रोहित के लिए बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा कि मैं उस चीज के बारे में नहीं सोचता जो मेरे नियंत्रण में नहीं है। यह चयनकर्ताओं की कॉल थी। चयनकर्ताओं ने मुझे उप-कप्तान बनाया और उन्होंने मुझे कप्तान भी बनाया। रोहित को उप-कप्तान बनाना उनका फैसला था और मैं इसका पूरा सम्मान करता हूं। दक्षिण अफ्रीका से 1-2 से श्रृंखला हारने के बाद विराट कोहली ने कप्तानी छोड़ दी और एक नए कप्तान का नाम सामने आना बाकी है हालांकि रोहित इसके प्रबल दावेदार हैं। भारत-श्रीलंका घरेलू टेस्ट श्रृंखला के दौरान नए भारतीय टेस्ट कप्तान पर मोहर लगेगी। भारत-श्रीलंका घरेलू टेस्ट श्रृंखला के दौरान नए भारतीय टेस्ट कप्तान पर मोहर लगेगी।

कैब ने बीसीसीआई से किया अनुरोध, आगामी टी20 सीरीज को लेकर ये है डिमांड

स्पोर्ट्स डेस्क । क्रिकेट एसोसिएशन बंगाल (कैब) ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से ईडन गार्डन्स स्टेडियम में प्रशंसकों के प्रवेश की अनुमति देने का अनुरोध किया है। यहां भारत और वेस्टइंडीज के बीच अगले सप्ताह से टी20 इंटरनेशनल श्रृंखला 16, 18 और 20 फरवरी को खेली जाएगी। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि भारत में कोविड-19 संक्रमण की संख्या धीरे-धीरे कम हो रही है, कैब शीर्ष परिषद ने गुरुवार को एक बैठक की। कैब सदस्यों ने कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टी200 श्रृंखला के लिए स्टेडियम में दर्शकों की अनुमति के लिए बीसीसीआई से अनुरोध किया गया है और जवाब की प्रतीक्षा कर रहे रहे। ईडन गार्डन के फ्लडलाइट सिस्टम के नवीनीकरण के निर्णय को मंजूरी दी गई लीग टूर्नामेंट के लिए फिक्स्चर और नियम स्वीकृत खिलाड़ियों के लिए रजिस्ट्रेशन विंडो 28 फरवरी तक बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय टूर्नामेंट शुरू करने का प्रस्ताव सौरव गांगुली ने पहले घोषणा की थी कि दर्शकों को अनुमति नहीं दी जाएगी कैब ने यह भी कहा कि बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि सुरक्षा-प्रथम दृष्टिकोण के तहत दर्शकों को स्टेडियम में अनुमति नहीं दी जाएगी। गांगुली का स्पष्टीकरण कैब के अध्यक्ष अविषेक डालमिया द्वारा मैचों को उसी तरह आयोजित करने की इच्छा व्यक्त करने के बाद आया है जैसा कि इस साल की शुरुआत में भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 श्रृंखला के दौरान किया गया था। दर्शकों को उन मैचों में भाग लेने की अनुमति दी गई थी। डालमिया ने यह बयान दैनिक संख्या में गिरावट के बाद दर्शकों की 75त्न भागीदारी सहित खेल संस्थानों को खोलने के सरकार के फैसले के बाद दिया। अहमदाबाद भारत और वेस्टइंडीज के बीच चल रही एकदिवसीय श्रृंखला का मेजबान शहर है। खेल के सबसे छोटे प्रारूप की बात करें तो भारतीय टीम का संयुक्त अरब अमीरात और पिछले साल टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन नहीं हुआ था। भारत को ग्रुप स्टेज से बाहर होना पड़ा। भले ही भारत ने अपने 5 में से 3 मुकाबलों में जीत हासिल की, लेकिन टूर्नामेंट में 2 प्रमुख भारत को ग्रुप स्टेज से बाहर होना पड़ा। भले ही भारत ने अपने 5 में से 3 मुकाबलों में जीत हासिल की, लेकिन टूर्नामेंट में 2 प्रमुख टीमों पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

कोस्टा रिका के विश्व कप क्वालीफायर के लिए मिली दर्शकों की अनुमति

वाशिंगटन । कनाडा और अमेरिका के खिलाफ अगले महीने कोस्टा रिका के विश्व कप फुटबॉल क्वालीफायर में 35000 की क्षमता वाले स्टेडियम में सौ फीसदी दर्शकों को प्रवेश की अनुमति दी गई है। कोस्टा रिका फुटबॉल महासंघ ने गुरूवार को यह घोषणा की। कोस्टा रिका और कनाडा का मैच 24 मार्च को होगा जबकि तीन दिन बाद उसे अल सल्वाडोर से खेलना है। अमेरिका से मुकाबला 30 मार्च को होना है। 1986 के बाद पहली बार विश्व कप खेलने की दहलीज पर खड़ी कनाडा को बस एक जीत की जरूरत है। उत्तर और मध्य अमेरिका और कैरेबिया से शीर्ष तीन टीमें विश्व कप में जगह बनाएंगी जबकि चौथे स्थान की टीम जून में ओशियाना चैम्पियन के खिलाफ प्लेआफ खेलेगी। कनाडा ग्रुप में शीर्ष पर, अमेरिका दूसरे और मैक्सिको तीसरे स्थान पर है। पनामा चौथे और कोस्टा रिका पांचवें स्थान पर है। उत्तर और मध्य अमेरिका और कैरेबिया से शीर्ष तीन टीमें विश्व कप में जगह बनाएंगी जबकि चौथे स्थान की टीम जून में ओशियाना चैम्पियन के खिलाफ प्लेआफ खेलेगी। कनाडा ग्रुप में शीर्ष पर, अमेरिका दूसरे और मैक्सिको तीसरे स्थान पर है। पनामा चौथे और कोस्टा रिका पांचवें स्थान पर है।

इन खिलाड़ियों पर रहेगी सबकी नजरें, हो सकती है पैसों की बारिश

स्पोर्ट्स डेस्क ।

आईपीएल मेगा ऑक्शन को लेकर सिर्फ एक दिन का ही समय रह गया है। आईपीएल ऑक्शन के लिए फ्रेंचाइजियों ने भी कमर कस ली। इस बार आईपीएल में 10 टीमें हिस्सा लेंगी और उन टीमों के लिए ऑक्शन में 590 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी। जिसमें 370 भारतीय खिलाड़ी होंगे और 220 विदेशी खिलाड़ी होंगे। तो आईए जानते हैं उन खिलाड़ियों के बारें में जिन पर इस मेगा ऑक्शन में जमकर बोली लगेगी और वह कमाई के सभी रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। भारतीय मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पर इस बार कई टीमों की नजरें होंगी। क्योंकि श्रेयस अय्यर छोटी उम्र में ही दिल्ली जैसी बड़ी टीम को फाइनल तक पहुंचा चुके हैं। तो इस वजह से मेगा ऑक्शन पर फ्रेंचाइजियां उन पर मोटी बोली लगाकर टीम में शामिल करने की जद्दोजेहद करेंगी। बेंगलुरु, पंजाब और कोलकाता जैसी टीमों के पास कप्तान नहीं है तो इस उपस्थिति में श्रेयस अय्यर पर ये टीमें दांव लगा सकती हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन पर भी सभी टीमों की नजरें बनी रहेंगी। क्योंकि ईशान किशन ने मुंबई इंडियंस के लिए ओपनिंग और मध्यक्रम में काफी अच्छा रोल निभाया है। वह ऊपरी क्रम से लेकर निचले क्रम पर बल्लेबाजी कर सकते हैं और वह आक्रमक रूप में। ईशान किशन बड़े-बड़े हिट्स लगाने के लिए भी जाने जाते हैं। तो इसलिए ईशान किशन भी फ्रेंचाइजियों की टारगेट लिस्ट में शामिल रहेंगे। द. अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा ने अपनी स्पीड और सटीक लाइन लेंथ से सभी को प्रभावित किया है। दिल्ली के लगातार आईपीएल फाइनल खेलने के पीछे रबाडा का बहुत बड़ा योगदान है। क्योंकि रबाडा बल्लेबाजों को अपनी स्पीड के साथ ही यॉर्कर का इस्तेमाल करके बल्लेबाजों को रन बनाने से रोकते हैं। वहीं डेथ ओवर्स में रबाडा काफी किफायती रहते हैं और विकेट भी दिलाकर देते हैं। इसलिए दिल्ली की टीम रबाडा को हर हाल में अपनी टीम में शामिल करना चाहेगी। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर खिलाड़ी जेसन होल्डर हमेशा से ही एक अंडर-रेटिड खिलाड़ी रहे हैं। वह बल्ले के साथ-साथ गेंद से भी कमाल का प्रदर्शन करते हैं। कैरेबियन प्रीमियर लीग में वह बारबाडोस टाइडेंट्स को खिताब भी जिता चुके हैं। होल्डर वेस्टइंडीज की कप्तानी भी कर चुके हैं औक जिन टीमों के पास कप्तान नहीं है वह होल्डर पर जरूर दांव लगाएंगी। दीपक चाहर पर भी आईपीएल फ्रेंचाइजियों की नजरें रहेंगी। क्योंकि चाहर निचले क्रम पर आकर आक्रामक बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। इसिलए बोली के दौरान फ्रेंचाइजियां दीपक चाहर के पीछे जरूर भागेंगी। दीपक चाहर द. अफ्रीका दौरे पर अपनी गेंदबाजी के साथ-साथ बल्लेबाजी का भी जौगर दिखा चुके हैं। यही कारण है कि उन पर भी बड़ी बोली लग सकती है।

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट के दोषियों की सजा का ऐलान सोमवार पर टला

अहमदाबाद। 26 जुलाई 2008 को अहमदाबाद में हुए सीरियल ब्लास्ट के दोषियों की सजा का ऐलान फिर एक बार टल गया है। अहमदाबाद की विशेष अदालत सोमवार यानी 14 फरवरी 2022 को दोषियों को सजा सुनाएगी। 8 फरवरी को विशेष अदालत ने 77 में से 49 आरोपियों को दोषी करार दिया था और 28 को सबूतों को अभाव में निर्दोष घोषित किया था। साथ ही 9 फरवरी को दोषियों की सजा सुनाने के लिए 11 फरवरी मुकर्रर किया था। इस पर बचाव पक्ष ने सजा का ऐलान तीन सप्ताह बाद करने की पेशकश की। बचाव पक्ष की दलील पर कोर्ट ने सवाल किया कि ऐसा कोई प्रावधान है तो बताइए। बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि दोषियों को सुधरने के लिए अवकाश दिया जाना चाहिए। दोषियों की शैक्षिक योग्यता, पारिवारिक स्थिति और मेडिकल प्रमाण पेश करने के लिए समय दिया जाना चाहिए। बचाव पक्ष की दलील पर सरकारी वकील ने कहा कि दोषियों ने एक जघन्य अपराध किया है और उन्हें अधिक से अधिक सजा होनी चाहिए। सरकारी वकील की ओर से अदालत में राजीव गांधी हत्या केस में कोर्ट के फैसले का हवाला दिया गया। सरकारी वकील ने कहा कि वाल्मिकी जैसे लोग रोज नहीं पैदा होते, जिनमें सुधार का अवकाश का हो। दोषियों के आपराधिक इतिहास, सुरंग कांड जैसी घटनाओं का कोर्ट को संज्ञान लेना चाहिए। दोनों पक्षों की दलीलों के बाद कोर्ट ने बचाव पक्ष के वकील से कहा कि वे आज ही जेल में बंद दोषियों से मुलाकात करें और उनका पक्ष जानकर उसे अदालत के समक्ष पेश करें। साथ ही कोर्ट ने जयपुर, बेंगलुरू, गया, भोपाल और अन्य जेलों में बंद कैदियों की मेडिकल डिटेइल और अन्य दस्तावेज 9 फरवरी शाम तक साबरमती सेंट्रल भेजने का आदेश दिया। आज सजा पर फैसले से पहले अदालत ने सभी दोषियों का पक्ष सुना। जिसमें दोषियों ने बेवजह फंसाने समेत उन्हें सजा होने पर उनके परिवार को होनेवाली समस्याओं का अदालत के समक्ष जिक्र किया। शुक्रवार को सभी दोषियों का पक्ष सुनने के बाद कोर्ट ने 14 फरवरी को सजा सुनाने का फैसला किया है। गौरतलब है 26 जुलाई 2008 को अहमदाबाद के विभिन्न इलाकों में हुए सिलसिलिवार बम धमाकों में 56 जितने लोगों की मौत हो गई थी और 244 जितने घायल हो गए थे। सबसे बड़ा ब्लास्ट अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में हुआ था, जहां कई लोगों की मौत हो गई थी। सिविल अस्पताल के अलावा शहर के एलजी अस्पताल, हाटकेश्वर, बापूनगर, ठक्करबापानगर, जवाहर चौक, मणीनगर, खाडिया, रायपुर, सारंगपुर, गोविंदवाडी, इसनपुर, नारोल और सरखेज इत्यादि क्षेत्रों में सिलेसिलेवार बम धमाकों में कई परिवार उजड़ गए थे। इस केस की जांच में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की टीम ने दिन रात कर 19 दिनों में 30 जितने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। बाद में हुई गिरफ्तारियों के साथ आरोपियों की संख्या 77 पर पहुंच गई। पिछले 14 वर्ष से विशेष अदालत में मामले की सुनवाई चल रही थी। इस दौरान । जितने न्यायधीश बदल गए। अब तक आरोपियों के खिलाफ 521 चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है और 1163 गवाहों के बयान लिए जा चुके हैं।

एके-47 के पार्ट्स बनाने वाला यमन का नागरिक गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात में देश-विदेश के अनेक लोग किडनी और हार्ट ट्रांसप्लांट समेत अन्य बीमारियों के उपचार के लिए आते हैं। यमन का एक नागरिक अहमदाबाद में अपने पिता का इलाज कराने आया था और यहां गैरकानूनी रूप से एके-47 रायफल के पार्ट्स बनाकर निर्यात करने लगा। क्राइम ब्रांच ने भनक लगते ही विदेशी शख्स को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक यमन का नागरिक अब्दुल अजीज अलअजानी अपने पिता के ग्राउंड पर मेडिकल विजा प्राप्त कर भारत आया था। यहां आने के बाद अब्दुल के पिता उपचार के बाद यमन वापस लौट गए। लेकिन अब्दुल अजीज रुपए कमाने के लिए खतरनाक प्लान बनाया। इसके अंतर्गत अब्दुल एके-47 रायफल के पार्ट और उससे हाई रेंज की रायफल बनाकर उसे निर्यात करने लगा।

अब्दुल अजीज यमन स्थित अपने खास दोस्त मुनीर महमद कासीम के कहने पर 17 नवंबर को भारत आ गया था। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच को सूचना मिलते ही 10 फरवरी की शाम शहर के पूर्वी क्षेत्र निकोल रिंग रोड निकट स्थित होटल स्काय इन टू के 211 नंबर कमरे में रेड की और रायफल के अलग अलग पार्ट्स बनाने के कम्प्युटरीकृत तस्वीरें, इंजीनियरींग कंपनी के अलग अलग केटलोग जब्त किए। अब्दुल अजीज के पास रायफल के पार्ट्स अपने पास रखने या बेचने समेत आयात-निर्यात का कोई लाइसंस नहीं है। मुनीर महमद कासीम ने अजीज को रायफल के पार्ट्स बनाकर यमन भेजने को कहा था। यमन में चल रहे गृह युद्ध में पार्ट्स का उपयोग किए जाने का क्राइम ब्रांच का प्राथमिक अनुमान है।

देशभर में धूम मचा रही 'पुष्पा' फिल्म के बाद अब कपड़ा बाजार में 'पुष्पा' साडी की धूम

सूरत । देशभर में धूम मचा रही 'पुष्पा' फिल्म अब तक करोड़ों की कमाई कर चुकी है। फिल्म के डायलोग और डांस स्टेप्स इतने लोकप्रिय हो गए हैं कि लोगों में अब भी इसका क्रेज कम नहीं हो रहा। इसका असर अब कपड़ा बाजार में दिखने लगा है। सूरत के कपड़ा व्यापारी ने शौकिया तौर पुष्पा फिल्म की प्रिन्टवाली साड़ी बनाई, जिसके सामने आते ही उसकी जबर्दस्त मांग बढ़ गई है। दरअसल सूरत के कपड़ा व्यापारी चरणपाल सिंह ने पुष्पा फिल्म देखने के बाद उन्होंने शौकिया तौर पर पुष्पा फिल्म की प्रिन्टवाली साडी बनवाई। साडी के दुकान में आने के बाद व्यापारी ने इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी। तस्वीर के सोशल मीडिया पर वायरल होते ही साडी ने बाजार में धूम बचा दी। अन्य व्यापारियों को साडी की डिजाइन पसंद आने लगी है और चरणपाल को इसके धड़ाधड़ ऑर्डर मिलना शुरू हो गए। चरणपाल सिंह के मुताबिक फिलहाल यह साडी सूरत की एक मिल में प्रिन्ट हो रही है। लेकिन मांग बढ़ने पर अन्य मिलों में प्रिन्ट की जाएगी। बता दें कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर मोदी-योगी साडियों ने उत्तर प्रदेश के कपड़ा बाजारों में धूम मचा रखी है। अब पुष्पा साडी कपड़ा बाजारों में धूम मचा रही है। सूरत टेक्सटाइल मार्केट में यह कोई पहला प्रयोग नहीं है। इससे पहले भी स्थानीय व्यापारी समयांतर शौकिया या व्यावसायिक दृष्टि से ऐसे प्रयोग करते रहे हैं। वर्ष 2014 का फिफा वर्ल्ड कप हो या नरेन्द्र मोदी के पहली बार प्रधानमंत्री बनने के बाद उनकी लोकप्रियता हो या फिर बाहुबली फिल्म से लेकर नमो साडी को लेकर सूरत कपड़ा मार्केट आकर्षण का केन्द्र रहा है। दो हजार की गुलाबी नोट की प्रिन्टेड साडी में बाजार में धूम मचाई थी।

सपा के कार्यकर्ताओं द्वारा बनाई जा रही है जीत की रणनीति

सूरत भूमि, सूरत। उत्तर प्रदेश में 11 जिलों की 58 सीटों पर सुबह 7 बजे से जारी मतदान शाम 6 बजे खत्म हो गई है. पहले चरण में मतदाताओं ने उत्साह के साथ वोटिंग की और 'फर्स्ट डिविजन' से पास हुई. शाम 6 बजे तक यूपी की 58 विधानसभा सीटों पर 60.17 फीसदी मतदान हुआ. सबसे ज्यादा मतदान कैराना (75.12) में और सबसे कम साहिबाबाद (45%) में हुआ है. गौरतलब है कि 2017 के विधानसभा चुनाव में पहले चरण में 73 सीटों पर 64.22 प्रतिशत मतदान हुआ था जबकि 2012 में 58.62 प्रतिशत मतदान हुआ था.

257 प्रतापपुर विधानसभा सीट समाजवादी पार्टी द्वारा विजमा यादव को चुनावी मैदान में उतारा है जिसको देखते हुए

सूरत के नुक्कड़ टी स्टॉल पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता नवनीत पांडे द्वारा प्रयागराज की प्रतापपुर विधानसभा सीट को जिताने के लिए लगभग 50 लोगों की टीम बनाकर गांव गांव जाकर प्रचार कर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी विजमा यादव को विजई बनाने के लिए प्रयास किया जाएगा। यहां से बीजेपी के पूर्व शिक्षा मंत्री राकेश धर त्रिपाठी अपना दल से उम्मीदवार हैं और बहुजन समाज पार्टी से घनश्याम पांडे और कांग्रेस से संजय तिवारी उम्मीदवार हैं ऐसे में जनता में अपनी लोकप्रियता के चलते विजमा यादव के जीतने के पूरे आसार हैं। हमारे संवाददाता से बातचीत के दौरान नवनीत पांडे ने बताया कि 14, 16, 20 एवं 22 फरवरी को हमारी टीम दो तीन टुकड़ों में प्रयागराज पहुंच जाएगी।

गोपीपुरा में स्थित श्री सूरज मंडल पार्श्वनाथ जैन देरासर की 400 वां सालगिरह मनाई जाएगी

गोपीपुरा जैन मंदिरों का तीर्थ स्थल है। श्री सूरजमंडल पार्श्वनाथ जैन देरासर पूरे भारत में पुरातनता और प्रभावता के दस्तावेज के रूप में प्रचलित है। यह मंदिर सुभाष चौक की हाथी गली में स्थित है। सुरक्षा की दृष्टि से इस मंदिर का निर्माण 400 साल पहले किया गया था। यह बिना चोटी का मंदिर था। समय और संयोग को ध्यान में रखते हुए, 1987 में एक नए गुंबददार शिखरबंधी मंदिर को बनाया गया था। इस जिनालय का नवीनीकरण धन्य है और जिनालया की कट्टरपंथी जीर्ण-शीर्ण गिंशासन सजावट प. पू. आ. श्री चंद्रोदय सुरीश्रवरजी म. सा., सुरीमंत्र समाराधक पं. पू. आ. श्री अशोक चंद्रसूरीश्वरजी म. सा और व्याकरणाचार्य पू. आ. श्री सोमचंद्रसुरीश्रवरजी म. सा हाथ से किया था। जिनालय में प्राचीन शैली प्रवेश करते ही दिल को आकर्षित कर लेती है। रंग मंडप की नक्काशी वास्तुकला की उत्कृष्टता का प्रमाण है। इस भव्य मंदिर में पवित्र ऊर्जा का अनुभव होता है।

भगवान का चेहरा देखकर मन की सारी दुख और पीड़ा दूर हो जाती है। 400 साल पहले आज ही के दिन 1678 ई.पू. उपाध्याय रत्नचंद्र गणी क्के शुभ हाथो से प्रतिष्ठीत किया गया। गोपीनाथ नाम के श्रेष्ठ ने इस प्रतिमा की प्रतिष्ठा का लाभ उठाया। इसी नाम से गोपीपुरा की पहचान हुई। इतिहास कहता है कि ऐसे मंदिर का गुबंद पूरे भारत में कहीं नहीं मिलता। आज, शासक प्रभाव अकबर बादशाह के नायक हिरसूरीश्वरजी महाराज ने इस देरासर सूरज मंडन पार्श्वनाथ के ठीक पीछे प्राचीन वेलु (रेत, मिट्टी) की मूर्ति के समर्थन से सत्त्वपूर्ण साधना की।

आज जैन समुदाय को 400वीं वर्षगांठ मनाने से लाभ हुआ है। इस दुर्लभ अवसर पर पद्म भूषण अलंकृत, राजनयिक, पू. आचार्य श्री रत्न सुंदरसुरिजी म., आ. पद्मसुंदरसुरिजी म., आ. युगसुंदरसुरिजी म., पू. पन्यासप्रवर पद्मदर्शन विजयजी म. आदि श्रमण-श्रमणी भगवंतो के पावन धाम में पंचहिनाका महामहोत्सव के रूप में भक्ति का वातावरण बनेगा। यह पूरे भारत में 5000 वर्ग फुट का सबसे बड़ा मंडप है और एक 1000 साल पुराने देवता की एक शानदार और आंख को पकड़ने वाली मूर्ति है।

11 फरवरी: त्योहार की शुरुआत बड़ी संख्या में भक्तों के शामिल होने के साथ हुई, 12 फरवरी: अष्टोत्री पूजन, 13 फरवरी: रत्नसागर स्कूल, पू में। सरस्वती लब्धाप्रसाद आ. श्री रत्नसुंदरसूरीजी का भाषण और दादा का 400वां सालगिरह के झंडा का चढ़ावा बोला जाएगा। साथ ही उस दिन दोपहर 12.39 बजे शत्रुस्तव अभिषेक 14 फरवरी को निश्रा में होगा : दादा का अभिषेक प्रात 8:00 बजे, सुबह 11:00 बजे गुरुदेव के साथ धाजा का स्वागत जुलूस निकाला जाएगा और दोपहर 12:39 बजे सूरजमंडल दादा का ध्वजारोहण मनाया जाएगा. शाम को प्रभुभक्ति की महापूजा और रमझट का पाठ होगा। 15 फरवरी: सुबह 8:00 बजे सत्तारभेदी पूजा होगी और दोपहर 12:39 बजे धर्मनाथ दादा का ध्वजारोहण होगा.

प्रमुख बिजनेस मैगजीन ने सूरत की मेहता वेल्थ लिमिटेड को कंपनी ऑफ द ईयर से किया सम्मानित

सूरत भूमि, सूरत। सूरत स्थित मेहता वेल्थ लिमिटेड, जो पोर्टफोलियो मेनेजमेन्ट में माहिर है, को बिजनेस कनेक्ट मैगजीन द्वारा कंपनी ऑफ द ईयर सम्मानित किया गया है।

2005 में स्थापित, एचएनआई के लिए अनुकूलित निवेशक पोर्टफोलियो की पेशकश करने वाली कंपनी को सिलिकॉन इंडिया, द सीईओ स्टोरी और द बिजनेस फेम जैसी लोकप्रिय व्यावसायिक पत्रिकाओं में भी व्यापक रूप से चित्रित किया गया है। उन्होंने इससे पहले मुंबईमें ईटी नाउ वर्ल्ड बीएफएसआई कांग्रेस एंड अवार्ड में 101 सबसे प्रभावशाली बीएफएसआई लीडर्स अवार्ड जीता है।

एक कंपनी जो न केवल सेल्स करती है, बल्कि एक रिश्तों की शुरुआत करती है। कंपनी केयूर मेहता - (अध्यक्ष और सीईओ), किंजल मेहता - (निदेशक और सीईओ), कुणाल मेहता - (एमडी और सीईओ) की तिकड़ी द्वारा संचालित है। है। कंपनी केयूर मेहता - (अध्यक्ष और जिनकी ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और दृढ़ता

शेल्बी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल सूरत ने अस्पताल श्रेणी के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 पुरस्कार जीता

सूरत। शेल्बी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल सूरत ने सूरत नगर निगम द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 पुरस्कार जीता है और अस्पतालों की श्रेणी में पहले स्थान पर है। यह पुरस्कार स्वच्छ भारत और मिशन सूरत फर्स्ट के तहत दिया गया। स्वच्छ सर्वेक्षण अस्पतालों, स्कूलों, होटलों आदि जैसे विभिन्न श्रेणियों में स्वच्छता और स्वच्छता का आकलन करने के लिए किया गया एक व्यापक सर्वेक्षण है। पुरस्कार का एक विशेष प्रशस्ति पत्र एसएमसी के चिकित्सा अधिकारी डॉ के. वाय.गरासिया के हाथों शेल्बी अस्पताल सूरत के क्लस्टर सीओओ डॉ वीरेंद्रसिंह चौहान और शेल्बी अस्पताल सूरत के उप सीएओ डॉ दुष्यंत पटेल द्वारा प्राप्त किया गया था।

शेल्बी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के सूरत क्लस्टर सीओओ, डॉ वीरेंद्रसिंह चौहान कहते हैं,"अस्पतालों में स्वच्छता और सफाई न केवल संक्रमण को रोकने के लिए बल्कि रोगियों और मुलाकातियों को एक सकारात्मक अनुभव देने में भी महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, कोविड महामारी के बीच यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम वायरस के प्रसार को रोकने के लिए आवश्यक उपाय करें। हमारे हॉस्पिटल में हमने इसे हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास किए और मुझे खुशी है कि हमारे प्रयासों को इस पुरस्कार से सराया गया हैं।" एसएमसी ने स्वच्छता, स्वस्थ पर्यावरण, अपशिष्ट पृथक्करण आदि जैसे विभिन्न मानकों में स्वच्छता की जांच और आकलन करने के लिए अस्पतालों, स्कूलों, होटलों आदि में एक व्यापक सर्वेक्षण किया। चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारियों की एक टीम ने स्वच्छता का आकलन करने के लिए सूरत में हजारों परिसरों का दौरा किया।

2017 में स्थापित, शेल्बी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 240 बेड वाला हॉस्पिटल है जो सामान्य चिकित्सा और इंटेंसिव केर, कार्डियोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स और जॉइंट रिप्लेसमेंट, कैंसर, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी इत्यादि जैसी विशिष्टताओं में व्यापक सेवाएं प्रदान करता है। शेल्बी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल्स भारत की अग्रणी मल्टी-स्पेशलिटी हॉस्पिटल चेन है, जिसे विश्व प्रसिद्ध ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. विक्रम शाह द्वारा स्थापित किया गया है, और गुणवत्ता और किफायती स्वास्थ्य सेवा देने में 27 से अधिक वर्षों का अनुभव है। यह वर्तमान में पूरे भारत में 11 मल्टीस्पेशलिटी तृतीयक हॉस्पिटल्स की एक श्रृंखला संचालित करता है, जिसमें 2,000 से अधिक हॉस्पिटल बेड की कुल क्षमता है।

गुजरात में कोरोना के 1883 नए मरीज, 5005 ठीक होकर घर लौटे, 14 मौतें

अहमदाबाद। शहर समेत राज्यभर में कोरोना के दैनिक केस लगातार घट रहे हैं। आज राज्य में कोरोना के 1883 नए केस सामने आए है, वहीं 5005 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। जबकि 14 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। दूसरी ओर आज राज्यभर में 2.06 लाख से ज्यादा नागरिकों का वैक्सीनेशन किया गया। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक गुजरात में कोरोना के 18031 एक्टिव केस हैं, जिसमें 18196 स्टेबल हैं और 105 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। अब तक 1183294 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर 97.60 प्रतिशत पर पहुंच गया है। वहीं अब तक राज्य में 10775 लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी है। शुक्रवार को सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 618 और वडोदरा कॉर्पोरेशन में 282 कोरोना के मामले दर्ज हुए। जबकि राज्य के अन्य शहर-जिलों में 1 से 96 तक मामले सामने आए हैं। दूसरी ओर टीकाकरण अभियान के तहत आज 206636 नागरिकों को वैक्सीनेट किया गया। जिसमें 24 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 48 को दूसरा डोज दिया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 3312 लोगों को कोरोना का पहला और 10320 को दूसरा टीका लगाया गया। 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के 17574 को पहली और 52075 को कोविड की दूसरी वैक्सीन दी गई। 15 से 18 वर्षीय 1498 । किशोरों को पहला और 66574 को दूसरी वैक्सीन दी गई। इसके अलावा 41722 नागरिकों को बूस्टर डोज दिया गया। राज्य में अब तक 10 करोड़ 07 लाख 17 हजार 057 नागरिकों का टीकाकरण किया जा चुका है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)